पटना ● शुक्रवार, 29 नवंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः315 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

बच्चों की सुरक्षा जिला का प्रथम ... 3 www. bordernewsmirror.com ना सिंगल ना रिलेशन में हैं... 7

हेमंत सोरेन ने झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में ली शपथ

झारखंड के चौथी बार मुख्यमंत्री बनने वाले पहले राजनेता बने हेमंत सोरेन

एजेंसी। रांची

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार शाम 4.11 बजे हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। हेमंत सोरेन ने राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। यह उनका मुख्यमंत्री के रूप में यह चौथा कार्यकाल होगा। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर मोरहाबादी मैदान पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नगर के मोहराबादी मैदान पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार के मंच पर पहुंचने के बाद राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मंच पर हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन एवं मां रूपी सोरेन मौजूद रहीं। पिता के ठीक बगल में हेमंत सोरेन तो उनकी मां के बगल में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौजूद बैठी थी। मंच पर हेमंत सोरेने के बगल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी बैठे। गांधी के ठीक बगल में हेमंत सोरेन की पत्नी व विधायक कल्पना सोरेन मौजूद रहीं। इसके अलावा अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, अरविंद केजरीवाल समेत इंडी गठबंधन के राष्ट्रीय व प्रदेश स्तरीय तमाम नेता मौजूद रहे। यह मंच इंडी गठबंधन की एकजुटता का एहसास करा रहा था। उल्लेखनीय है कि झारखंड विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन को ऐतिहासिक जीत मिली है। जेएमएम, कांग्रेस, आरजेडी और भाकपा-माले को 81 में से 56 सीटों पर जीत मिली। इसमें जेएमएम को 34, कांग्रेस को 16, आरजेडी को 4 और भाकपा-माले को 2 सीटें मिली हैं। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 24 सीट मिली हैं। इस बार के विधानसभा के चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की यह बड़ी जीत है।

हेमंत सोरेन के नाम दर्ज हुए कई राजनीतिक रिकॉर्ड

हेमंत सोरेन के झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही राजनीतिक इतिहास में उनके नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हो गए। वह राज्य के 24 वर्षों के अब तक के इतिहास में चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले पहले राजनेता बन गए। इसके पहले उनके पिता शिबू सोरेन और भारतीय जनता पार्टी के अर्जुन मुंडा तीन-तीन बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ चुके हैं। हेमंत सोरेन ने पहली बार 13 जुलाई 2013 को झामुमो, कांग्रेस, राजद गठबंधन के सहयोग से बनी सरकार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इस सरकार का कार्यकाल 23 दिसम्बर 2014 तक था। दूसरी बार उन्होंने 29 दिसम्बर 2019 को शपथ ली थी। 31 जनवरी 2024 को ईडी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। जमानत पर बाहर आने के बाद 4 जुलाई 2024 को उन्होंने तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। हेमंत सोरेन का नाम झारखंड के ऐसे पहले मुख्यमंत्री के तौर पर दर्ज हो रहा है, जिन्होंने लगातार दूसरी बार सरकार में वापसी की है। बरहेट सीट से लगातार तीसरी बार जीते हैं हेमंत सोरेन ने विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गमलियल हेम्ब्रम को 39,791 मतों के अंतर से हराकर बरहेट सीट पर जीत दर्ज की।

संसद का शीतकालीन सत्र : मणिपुर और संभल हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा

कांग्रेस सांसद सभापति से बोले- सर आपके बगैर पत्ता भी नहीं हिल सकता

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद सत्र में कानून बनते हैं, उस पर चर्चा होती है और भविष्य की नीतियां बनाई जाती हैं। संसद के शीतकालीन सत्र अब तक अनप्रोडक्टिव ही रहा है। विपक्ष के हंगामे की वजह से लोकसभा और राज्यसभा में कामकाज नहीं हो पाया। मणिपुर और संभल जैसे मुद्दों पर विपक्ष हंगामा कर रहा है। गुरुवार को भी संसद की कार्यवाही शुरू होते ही स्थगित हो गई। कुछ देर में ही राज्यसभा में एक अलग नजारा दिखा। राज्यसभा में एक मामले पर विपक्ष बहस की मांग कर रहा था, जिस पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रमोद तिवारी को एक सलाह दी। राज्यसभा में गुरुवार को जैसे ही संसद की कार्यवाही शुरू हुई। कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी अपनी सीट से उठे और एक खास मुद्दे पर बहस की मांग करने लगे। प्रमोद तिवारी ने सभापति की ओर इशारा करते हुए कहा कि सर आपके बिना तो पत्ता भी नहीं हिल सकता है। इस पर ही सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें टोका और कहा कि यह बात आप जयराम रमेश जी को बताइए। वह मेरे भी बहुत अच्छे दोस्त हैं। बिना सभापति की सहमति के नहीं होता है। मैं भी वह सहमति देने के लिए तत्पर हूं लेकिन कुछ नियम हैं। इसके बाद फिर प्रमोद तिवारी ने कहा कि सर, इसके लिए ही मैं खड़ा हुआ हूं और मुझे उम्मीद है कि आप मुझे ये परमिशन दे देंगे। इस पर सभापति धनखड़ रूल बूक पलटने लगे और नियम बताने लगे। इस दौरान संसद में ठहाके भी लगे। जब यह बातचीत हो रही थी, तब विपक्ष हंगामा कर रहा था। हंगामा इतना हुआ कि राज्यसभा की कार्यवाही फिर से स्थगित कर दी गई। सभापति ने 12 बजे तक राज्यसभा की कार्यवाही को स्थगित कर दिया था। दरअसल, संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ था। अभी तक राज्यसभा और लोकसभा कामकाज बाधित ही रहा है। विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है। इसके चलते दोनों सदनों को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया था। मणिपुर अशांति और संभल हिंसा सहित कई मुद्दों पर सांसदों ने हंगामा किया। 75वें संविधान दिवस के दूसरे दिन संसद में कामकाज नहीं हुआ था। तीसरे दिन बुधवार को भी दोनों सदन एक घंटे के अंदर ही स्थगित कर दिए गए। आज गुरुवार को भी कुछ ऐसे ही नजारा देखने को मिला।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी को जान से मारने की धमकी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर जान से मारने की धमकी दी गई है। अज्ञात शख्स ने मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन कर पीएम मोदी को जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार मुंबई पुलिस ने धमकी भरा कॉल करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस के कंट्रोल रुम में कॉल कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी दी गई है। इस पर मुंबई पुलिस अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। वहीं एक अन्य जानकारी में बताया गया है कि मुंबई पुलिस ने पीएम मोदी के खिलाफ धमकी भरा कॉल करने के आरोप में एक 34 वर्षीय महिला को हिरासत में लिया है। इस मामले के संबंध में सूत्रों ने बताया कि धमकी वाला कॉल पुलिस कंट्रोल रुम में बुधवार रात करीब 9 बजे आया था। कॉल करने वाले अज्ञात शख्स ने कहा कि पीएम मोदी को जान से मारने का प्लान बना जा चुका है। पुलिस इस मामले में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है, इसी बीच खबर आई है कि एक 34 वर्षीय महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सोरेने के लिए झारखंड में हिट साबित हुई पेंशन स्कीम, अब एनडीए बिहार में इसी स्कीम को अपनाएगी

नई दिल्ली। झारखंड में पेंशन स्कीम को लेकर हेमंत सोरेन की सत्ता वापसी ने बड़ा राजनीतिक असर डाला था, और अब एनडीए बिहार में इसी पेंशन मॉडल को अपनी चुनावी रणनीति के तौर पर इस्तेमाल करेगी है। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को मिलने वाली पेंशन राशि बढ़ाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिससे एनडीए की सरकार इन वर्गों को अपने पक्ष में करने में जुट गई है। दरअसल बिहार विधानसभा में बीजेपी विधायक ललन पासवान ने पेंशन राशि में बढ़ोतरी की मांग की। उनका कहना था कि महंगाई बढ़ गई है, लेकिन पेंशन की राशि में कोई वृद्धि नहीं हुई। उन्होंने हर पेंशनभोगी को 2000 रुपये प्रति माह देने की मांग की। जहां हेमंत सोरेन सरकार द्वारा शुरू की गई सर्वजन पेंशन स्कीम ने गरीब और मध्यवर्गीय परिवारों का ध्यान आकर्षित किया था। स्कीम में 26 लाख से अधिक पेंशनधारियों को हर माह 600 रुपये मिलते हैं, इस राशि को सोरेन ने चुनाव के बाद बढ़ाकर 2500 रुपये करने का वादा किया है। इस कदम ने विधानसभा चुनाव में सोरेन को बड़ी मदद की, और यह पेंशन स्कीम राज्य में जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं बिहार में भी पेंशन एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। वर्तमान में मुख्यमंत्री पेंशन लाभार्थी स्कीम के तहत करीब 30 लाख लोग 400 से 500 रुपये प्रति माह पेंशन मिलाती हैं। हालांकि, विपक्ष और कुछ राजनीतिक दलों का कहना है कि इस राशि में वृद्धि की जरूरत है, खासकर महंगाई के दौर इस में। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी 400 रुपये की पेंशन राशि को नाकाफी बताकर उनकी सरकार आने पर इस राशि में बढ़ोत्तरी का वादा किया है।

प्रियंका गांधी ने ली शपथ, हंगामें के चलते सदन के दोनों सदन स्थगित

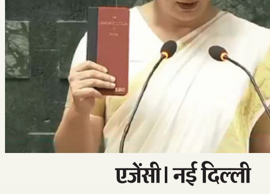

एजेंसी। नई दिल्ली

वायनाड से रिकॉर्ड मतों से जीतीं प्रियंका गांधी वाड्रा ने सांसद के तौर पर आज गुरुवार को संसद में शपथ ग्रहण कर ली है। इस दौरान उन्होंने अपने हाथ में संविधान की कॉपी ली हुई थी। प्रियंका के साथ ही नांदेड़ लोकसभा सीट से उपचुनाव जीतने वाले रविंद्र चव्हाण ने भी शपथ ली। उपचुनाव में निर्वाचित दो सदस्यों के शपथ लेने के साथ ही संसद के शीतकालीन सत्र का यह तीसरा दिन है, जबकि हंगामें के चलते कुच्छ देर के लिए राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया। इससे पहले प्रियंका गांधी पहली बार संसद पहुंचीं और उन्होंने लोकसभा में सांसद पद की शपथ ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता अपने भाई राहुल गांधी की ही तरह उन्होंने भी शपथ ग्रहण के वक्त संविधान की कॉपी अपने हाथ में ले रखी थी। प्रियंका, राज्यसभा सदस्य और अपनी मां सोनिया गांधी और राहुली गांधी के साथ ही संसद भवन पहुंचीं थीं। इस बीच उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए मीडिया से बात की। केरल के वायनाड लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में प्रियंका गांधी ने रिकॉर्ड जीत दर्ज कराई है। इसके साथ ही लोकसभा में फिर कांग्रेस 99 सांसदों वाली पार्टी हो गई हैं। गौरतलब है कि वायनाड सीट को राहुल ने छोड़ा था, और नांदेड़ सीट कांग्रेस सांसद बसंतराव चव्हाण के निधन के कारण रिक्त हुई थी। इन दोनों ही सीटों पर हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने वालों ने आज संसद में शपथ ले अपनी संसदीय पारी का आगाज कर दिया है।

संसद में गौतम अडानी को लेकर कांग्रेस के हंगामे से नाराज हुई ममता बनर्जी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के मुद्दे पर अब तक हंगामा ही देखने को मिला है। कांग्रेस और खासकर लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की ओर से इस मुद्दे को उठाया जा रहा है। वहीं अब विपक्षी दल में शामिल टीएमसी के सुर अलग सुनाई पड़ रहे हैं। फिर बंगाल की सीएम और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन से अलग स्टैंड लेती हुई दिख रही हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) टीएमसी ने अपने सांसदों की बैठक में कांग्रेस से अलग राह अपनाने का फैसला किया है। बैठक संसद के दोनों सदनों में अडानी मामले पर कांग्रेस के हंगामे के बीच हुई। टीएमसी चाहती है कि संसद को चलने दिया जाए, ताकि जनता के मुद्दे उठाए जा सकें। राज्यसभा में टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बताया कि टीएमसी संसद में जनता की आवाज बनना चाहती है। टीएमसी बंगाल को केंद्र से मिलने वाले फंड में कथित कमी और मणिपुर की स्थिति जैसे मुद्दे को उठाना चाहती है। टीएमसी लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा, टीएमसी चाहती है कि संसद चले, ताकी जनहित के मुददे उठाए जा सके। हम नहीं चाहते कि एक मुद्दा संसद को बाधित करे। हमें इस सरकार को उसकी कई विफलताओं के लिए जवाबदेह ठहराना चाहिए। उन्होंने कहा, टीएमसी संसद चलाना चाहती है। हम नहीं चाहते कि एक ही मुद्दा संसद को ठप करे। टीएमसी सांसदों के बयान के बाद ममता बनर्जी की पार्टी इंडिया गठबंधन में अपनी एक अलग जगह बनाती हुई दिख रही है। हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस की हालिया चुनावी हार और बंगाल उपचुनाव में टीएमसी की जीत के बाद यह स्थिति और मजबूत हुई है।

साइबर युद्ध और आतंकवाद जैसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार रहे देश : मुर्मु

राष्ट्रपति ने रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन के छात्र अधिकारियों को संबोधित किया

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि हमें न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखना है, बल्कि साइबर युद्ध और आतंकवाद जैसी नई राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना है। जलवायु परिवर्तन का मुद्दा नए आयाम हासिल कर रहा है, जिसे समझने और प्रबंधित करने की जरूरत है। राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज के छात्र अधिकारियों और शिक्षकों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पाठ्यक्रम छात्र अधिकारियों को बड़ी जिम्मेदारियों के लिए और रणनीतिकारों के रूप में तैयार करेगा, जो जटिल परिस्थितियों से प्रभावी तरीके से निपटने में सक्षम होंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज ने भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बलों को प्रशिक्षित करने और शिक्षित करने में सराहनीय योगदान दिया है। पिछले सात दशकों में इस कॉलेज ने मध्यम स्तर के अधिकारियों को पेशेवर रूप से तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का सभी लोग इसलिए सम्मान करते हैं, क्योंकि वे देश की सीमाओं और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में सबसे आगे हैं। राष्ट्रपतिने यह जानकर खुशी जताई कि अब महिला अधिकारी भी तीनों सेनाओं में विभिन्न इकाइयों की कमान संभाल रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती ताकत और भूमिका विशेषकर युवा लड़कियों के लिए उत्साहजनक और प्रेरणादायक है। उन्होंने सशस्त्र बलों में अधिक से अधिक महिलाओं के शामिल होने की उम्मीद जताई, जहां वे असाधारण क्षमताओं का प्रदर्शन करके नए क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकती हैं।

भारत ने किया के-4 एसएलबीएम का सफल परीक्षण, बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना अपनी न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन आईएनएस अरिघट से पहली बार के-4 एसएलबीएम का सफल परीक्षण किया है। एटॉमिक हथियार ले जाने वाली इस मिसाइल की रेंज 3500 किलोमीटर है। यह देश को सेकेंड स्ट्राइक की क्षमता देती है जिससे देश के न्यूक्लियर ट्रायड को यह ताकत मिलती है कि यह मिसाइल अगर जमीन पर स्थिति ठीक नहीं है तो पानी के अंदर से सबमरीन हमला कर सकती है। के-4 एसएलबीएम एक इंटरमीडियट रेंज की सबमरीन से लॉन्च होने वाली परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल है। इसे नौसेना के अरिहंत क्लास पनडुब्बियों में लगाया गया है। इससे पहले नौसेना के-15 का इस्तेमाल कर रही थी, लेकिन के-4 उससे ज्यादा बेहतर, सटीक और आसानी से ऑपरेट होने वाली मिसाइल है।

देश के 687 जिलों में लागू हो चुकी है कर्मचारी राज्य बीमा निगम योजना

एजेंसी। नई दिल्ली

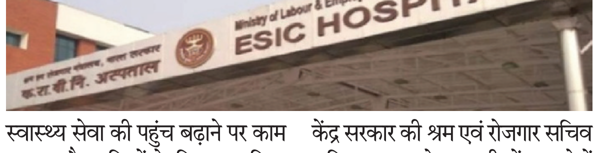

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) योजना अब देश के कुल 788 जिलों में से 687 जिलों में लागू हो चुकी है। वर्ष 2014 में यह 393 जिलों में ही लागू थी लेकिन पिछले 10 वर्षों में इस प्रक्रिया में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ सहयोग करके ईएसआईसी योजना को अब शेष 101 जिलों में भी विस्तारित किया जाएगा। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के मार्गदर्शन में काम करते हुए ईएसआईसी आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) की सुविधाओं के साथ कर्मचारियों और उनके आश्रितों तक स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने पर काम कर रहा है। श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा, उनके स्वास्थ्य लाभ और चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना सरकार की प्राथमिकता है। इससे अधिक उत्पादक श्रम शक्ति का विकास होगा, जिससे 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को गति मिलेगी। इस पहल से 14.43 करोड़ से अधिक ईएसआईसी लाभार्थियों और उनके परिवारों को पूरे देश में गुणवत्तापूर्ण और व्यापक चिकित्सा देखभाल का लाभ मिलेगा। इस संदर्भ में केंद्र सरकार की श्रम एवं रोजगार सचिव सुमिता डावरा ने हाल ही में इन दोनों योजनाओं के विस्तार और कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा भी की। ईएसआईसी के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि इस विस्तार के माध्यम से ईएसआईसी लाभार्थी देश भर में 30,000 से अधिक आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से सूचीबद्ध अस्पतालों में द्वितीयक और तृतीयक चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे, जिसमें उपचार लागत पर कोई वित्तीय सीमा नहीं होगी।

जामा मस्जिद के बाद अजमेर दरगाह को बताया शिव मंदिर, अब राजस्थान कोर्ट करेगा मामले की सुनवाई

एजेंसी। जयपुर

संभल की जामा मस्जिद का विवाद अभी सुलझा भी नहीं था कि अजमेर दरगाह को लेकर एक और विवाद खड़ा हो गया है। अजमेर स्थित प्रसिद्ध ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को हिंदू पूजा स्थल (मंदिर) बताने वाली याचिका को निचली अदालत ने स्वीकार कर लिया है। यह याचिका हिंदू सेना के विष्णु गुप्ता द्वारा दायर की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए अजमेर पश्चिम सिविल जज सीनियर डिविजन मनमोहन चंदेल ने 20 दिसंबर को अगली सुनवाई की तारीख तय की है और सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर दिया है। हिंदू संगठन लंबे समय से अजमेर दरगाह को एक हिंदू मंदिर बताने का दावा कर रहे हैं। इन संगठनों का कहना है कि यह दरगाह दरअसल एक शिव मंदिर था, जिसे बाद में दरगाह के रूप में स्थापित कर दिया गया। साल 2022 में महाराणा प्रताप सेना ने भी इस मुद्दे को उठाया था, और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं केंद्र सरकार से जांच की मांग की थी। उनका दावा था कि दरगाह की खिड़कियों पर स्वस्तिक के निशान थे, जो हिंदू पूजा स्थलों में आम होते हैं।

संभल में 4 की जा चुकी है जान : उत्तर प्रदेश के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक याचिका में मस्जिद को हरिहर मंदिर बताने की मांग की गई थी, जिसके बाद कोर्ट ने मस्जिद का सर्वे करने का आदेश दिया। 19 और 24 नवंबर को हुए सर्वे के दौरान, जब सर्वे टीम को मस्जिद में जाने की अनुमति दी गई, तो बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। इसके बाद हिंसा भड़की और 4 लोगों की जान चली गई। यहां पथराव किया और कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। कई उपद्रवियों को गिरफ्तार भी किया गया। इसके बावजूद सर्वे टीम ने अपना काम पूरा किया और रिपोर्ट 29 नवंबर को अदालत में पेश की जाएगी।

मानव तस्करी के खिलाफ एनआईए की 6 राज्यों में 22 स्थानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को छह राज्यों में 22 स्थानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित कई अन्य स्थानों पर आज सुबह-सुबह शुरू हुई और स्थानीय पुलिस बलों के साथ समन्वय करके तलाशी अभियान चलाए गए। अधिकारियों के अनुसार तलाशी में संगठित तस्करी नेटवर्क से जुड़े व्यक्तियों और संगठनों पर ध्यान केन्द्रित किया गया। एनआईए ने विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर ऑपरेशन शुरू किये। यह अभियान एक अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह की जांच का हिस्सा है, जिसमें विदेशी संलिप्तता होने की आशंका है। सूत्रों के अनुसार बिहार के गोपालगंज जिले के कई लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर फर्जी कॉल सेंटरों में ले जाया गया, जहां उन्हें साइबर धोखाधड़ी योजनाओं पर काम करने के लिए मजबूर किया गया। एनआईए को इस रैकेट में म्यांमार और लाओस से जुड़े होने का संदेह है। इससे पहले 5 अक्टूबर को एनआईए ने आतंकवादी गतिविधियों और फंडिंग के सिलसिले में पांच राज्यों में इसी तरह की छापेमारी की थी।

रेलवे ने फ्रंटलाइन सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए लांच किया संरक्षा मोबाइल एप

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने आज पूरे देश में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच करके यात्रियों की सुरक्षा की दिशा में एक और कदम उठाया। इस एप का उद्देश्य भारतीय रेलवे के फ्रंटलाइन सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के माध्यम से रेलवे सुरक्षा में सुधार करना है। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि रेलवे बोर्ड के सदस्य (परिचालन और व्यवसाय विकास) रविंदर गोयल ने आज सभी डीआरएम, पीसीओएम, पीसीसीएम और भारतीय रेलवे के सभी मंडलों के अधिकारियों की उपस्थिति में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच किया। इस एप्लीकेशन को 2013 बैच के आईआरटीएस अधिकारी दिलीप सिंह ने डिजाइन किया है। वह वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर में वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। इस अवसर पर नागपुर मंडल की क्षेत्रीय महाप्रबंधक (डीआरएम) नमिता त्रिपाठी ने नागपुर मंडल में पायलट प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

नीलगाय के बच्चे को देखने के लिए जुटी भीड़

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के सदर प्रखंड के पुराना खगड़ा स्थित भूमि बस्ती में नील गाय का बच्चा मिला है। जानकारी के अनुसार भूमि बस्ती निवासी अजय राय अपने धान के खेत में धान काट रहे थे। इस दौरान उन्हें एक नील गाय दिखाई पड़ा लिया। इसके बाद अजय राय उस नील गाय के बच्चे को पकड़कर अपने घर लेकर आ गए। वहीं अजय राय ने कहा कि नील गाय का बच्चा काफी छोटा है और जानवरों से उसको बहुत ही खतरा है। फिलहाल हम अपने घर में रखकर पालन पोषण कर रहे है द्य जब मैं खेत में धान की कटाई कर रहा था तभी अचानक मेरी नजर नीलगाय के ऊपर गई। मुझे लगा कि यह गाय का बच्चा है तो मैं घर लेकर आ गया। उसका पालन पोषण करने लेकिन पड़ोस के लोगों ने बताया कि यह नीलगाय का बच्चा है।

ठंड में बरतें सावधानी: 3 अस्पतालों में हार्ट अटैक के 150 से अधिक मरीज भर्ती

पटना, एजेंसी। ठंड की शुरुआत होते ही आईजीआईएमएस, आईजीआईसी और पीएमसीएच में हार्ट के मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। इन तीनों अस्पतालों में हार्ट अटैक वाले 150 से अधिक मरीज भर्ती हैं। आईजीआईएमएस के कार्डियोलॉजी विभाग के हेड डॉ. रवि विष्णु के मुताबिक 45-50 फीसदी मरीज हार्ट अटैक और 25-28 फीसदी हार्ट फेल्योर के भर्ती हैं। पीएमसीएच के कार्डियोलॉजी विभाग के ओपीडी में रोज पांच से आठ मरीज हार्ट अटैक वाले होते हैं। इमरजेंसी में भी रोज ऐसे 8 से 10 मरीज आ रहे हैं। सामान्य दिनों से ऐसे मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। 10 मरीज अभी भर्ती हैं। आईजीआईसी की इमरजेंसी में रोज 25 से 30 मरीज भर्ती होते हैं। इनमें हार्ट अटैक के करीब 20 मरीज होते हैं। बाकी हार्ट फेल्योर और दम फूलने की शिकायत लेकर भर्ती हो रहे हैं। यहां हार्ट अटैक के 100 से अधिक मरीज भर्ती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हार्ट अटैक की चपेट में वही मरीज आ रहे हैं, जो ठंड में लापरवाही बरत रहे हैं। आईजीआईसी के अपर निदेशक डॉ. केके वरुण ने बताया कि अधिकतर मरीजों ने बीपी की दवा छोड़ दी थी या डोज एडजस्ट नहीं कराई थी।

हथियार के साथ बदमाश अरेस्ट, दो दिन पहले हुई लूट

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के बिंद थाना क्षेत्र में मंगलवार को लूट हुई थी। गोलीकांड का पुलिस ने 12 घंटे के अंदर पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और घटना में इस्तेमाल हथियार और बाइक भी बरामद कर ली है। थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि मंगलवार शाम बिंद थाना क्षेत्र के ताजनीपुर पुल के पास एक बाइक सवार दो अपराधियों ने सोने-चांदी के व्यवसायी प्रेम कुमार को रोक लिया था। विरोध करने पर अपराधियों ने प्रेम कुमार पर गोली चला दी और उनका बैग छीन लिया। इस घटना में प्रेम कुमार के दाहिने पैर में गोली लगी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने सीमावर्ती थानों को अलर्ट किया और वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पटना जिले के समियागढ़ थाना पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसके पास से घटना में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान छोटू कुमार (19), पिता उपेंद्र राउत, निवासी गौसनगर, थाना सरमेरा के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि घटना में शामिल अन्य बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी गई है।

जमीन सर्वे के लिए अब खतियान की जरूरत नहीं: खाता और प्लॉट नंबर से करें अप्लाई

सरकार के नाम पर होगा गैर मजरुआ जमीन का सर्वे

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने जमीन सर्वे में आम लोगों को नई सहूलियत दी है। अब लोगों को जमीन के खतियान के कागजात देना जरूरी नहीं है। केवल खाता और प्लॉट नंबर के साथ सर्वे के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसी तरह गैर मजरुआ जमीन का सर्वे सरकार के नाम पर होगा। लेकिन, दखल-कब्जा वाले लोगों को वर्तमान समय में बेदखल नहीं किया जाएगा। सर्वे अधिकारियों के मुताबिक सर्वे के दौरान जमीन का नक्शा और दस्तावेज बनाना है। किसी को बेदखल नहीं करना है। जिसके नाम पर जमीन है उसका केवल साक्ष्य होना चाहिए। इसमें रसीद, खतियान आदि शामिल हैं। सरकारी जमीन की जानकारी अंचलाधिकारी के द्वारा दी जाती है। ऐसी जमीनों का सर्वे सरकार के नाम पर किया जाएगा।

बदलाव की जरूरत क्यों

राज्यभर के जिला मुख्यालयों के अभिलेख कार्यालयों में दस्तावेज निकालने के लिए आवेदनों की संख्या ढाई गुना तक बढ़ी है। यह स्थिति पिछले छह महीने से चल रही है। सामान्य तौर पर जिला मुख्यालय स्थित निबंधन कार्यालय के अभिलेखागार और जिला रिकॉर्ड रूम में दस्तावेज निकालने के लिए औसतन 100 से 120 आवेदन हर दिन आ रहे हैं।

हर दिन पेंडिंग की संख्या बढ़ती जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक 20 प्रतिशत आवेदन दस्तावेज का कागज फटे होने या खोज नहीं पाने के कारण आवेदनों को रिजेक्ट करना पड़ रहा है।

1995 के बाद के दस्तावेज ही ऑनलाइन

मद्यनिषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक साल 1995 से अब तक 2,34,62,435 दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन किया गया है। लेकिन 1796 से 1995 तक के करीब 5,13,48,914 दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन करने का काम अभी चल ही रहा है। इसमें से हजारों की संख्या में पुराने दस्तावेजों की स्थिति अच्छी नहीं है। कागज पुराने होने के कारण फट गए हैं। इन दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन का काम पूरा होने के बाद दस्तावेजों को खोजना आसान होगा।

इन जमीनों का सरकार के नाम पर सर्वे

राज्य के विभिन्न इलाकों में गैरमजरूआ आम, गैर मजरुआ मालिक, कैसरे हिंद, बकाश्त भूमि, भू-दान, भू-हदबंदी, बासगीत पर्चा की भूमि, बंदोबस्ती पर्चा की भूमि, वक्फ बोर्ड और धार्मिक न्यास की भूमि का सर्वे सरकार के नाम पर होगा। इन जमीनों की जानकारी अंचलाधिकारियों से सर्वे कार्यालय के द्वारा मांगी गई है ताकि, कोई कब्जाधारी व्यक्ति सरकारी जमीन का सर्वे गलत दस्तावेज देकर अपने नाम पर नहीं करा सके।

पटना जिले में 2.41 लाख लोगों ने दिया आवेदन

पटना जिले में अब तक 2.41 लाख लोगों ने जमीन सर्वे के लिए आवेदन दिया है। इसमें करीब 1.19 लाख ऑनलाइन और 1.22 लाख ऑफलाइन आवेदन आया है। ऑफलाइन आने वाले आवेदनों को बंदोबस्त कर्मियों के माध्यम से ऑनलाइन भरा जा रहा है। वहीं राज्य में अब तक 47 लाख परिवार ने खुद ही जमीन के कागज सर्वे के लिए विभाग को उपलब्ध कराए हैं।

पटना सिटी में 1 करोड़ का नकली खाद्य तेल बरामद

पटना, एजेंसी। मालसलामी थाने की पुलिस ने बुधवार की देर रात मंसूरगंज इलाके में छापेमारी कर ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली खाद्य तेल तैयार करने के कारोबार का भंडाफोड़ किया है। जब्त नकली खाद्य तेल की कीमत लगभग एक करोड़ रुपए बताई गई है। हालांकि आकलन अभी पूरा नहीं हुआ है। गोदाम से भारी मात्रा में ब्रांडेड कंपनियों के नकली रैपर, बोतल, ढक्कन समेत अन्य उपकरणों को भी जब्त किया गया है।

पुलिस ने नकली तेल का कारोबार करने वाले संचालक संजय कुमार को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। यहां गोदाम में ब्रांडेड के नाम पर नकली तेल का निर्माण किए जाने की बात सामने आई है। इसे तैयार कर बाजार में बेचा जा रहा था। जिससे कंपनियों को आर्थिक नुकसान हो रहा था, जबकि उपभोक्ता ठगे जा रहे थे। कंपनी के प्रतिनिधि टोटन चक्रवर्ती ने डीआईजी सह एसएसपी से शिकायत की थी।

कॉपीराइट एक्ट के तहत मामला दर्ज होगा

कंपनी के अधिकारी बताया कि अवैध धंधेबाज द्वारा ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली तेल का निर्माण कर उसे बाजारों में बेचने का काम किया जा रहा था। कंपनी के अधिकारी की मानें तो बरामद तेल की कीमत लगभग एक करोड़ के आसपास है। मौके पर मौजूद माल सलामी थाने के दारोगा संजय कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए जल्द ही पूरे मामले का उद्भेदन होगा। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए संचालक संजय कुमार से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि जांच पड़ताल कर कॉपीराइट एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

पटना में 23 भाजपा नेताओं की गाड़ियों का चालान कटा: 1-1 हजार रुपए का लगा फाइन

मोहनिया विधायक संगीता कुमारी ने ड्राइवर को नौकरी से निकाला

पटना, एजेंसी। पटना में ट्रैफिक एसपी के आदेश पर मंगलवार को भाजपा कार्यालय के सामने सड़क पर खड़ी गाड़ियों का चालान पर काटा गया। ट्रैफिक एसपी के मुताबिक, बीजेपी नेताओं की 23 गाड़ियों का चालान कटा है। वहीं चालान काटने के बाद भाजपाकी महिला विधायक ने अपनी गलती मानते हुए ड्राइवर को नौकरी से निकाल दिया है। ट्रैफिक पुलिस ने 19 सितंबर को आरजेडी कार्यालय के पास लगी विधायक और नेताओं की गाड़ियों का भी चालान काटा गया था। दरअसल, पटना में मंगलवार की शाम भाजपा कार्यालय में विधानमंडल दल की बैठक बुलाई गई थी। भाजपा के विधायक और एमएलसी जुटे थे। साथ में कई कार्यकर्ता भी यहां जुटे थे। सभी गाड़ियां वीरचंद पटेल पथ के मेन रोड पर लगाई गई थी, जिससे वहां ट्रैफिक जाम लग गया।

बीजेपी नेताओं ने पुलिस को कार्रवाई से भी रोका : जाम को हटाने ट्रैफिक पुलिस के जवान वहां पहुंचे। गाड़ियों के हटाने को लेकर जवानों ने अनाउंस भी किया। गाड़ियां नहीं हटी तो, ट्रैफिक पुलिस क्रेन से गाड़ी हटाने लगी। इस दौरान जवान, भाजपा की मोहनिया विधायक संगीता कुमारी की गाड़ी हटाने लगे। तभी भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं ने पुलिस को ऐसा करने से रोक दिया। हालांकि ट्रैफिक पुलिस वालों ने सभी गाड़ियों की फोटो ले ली। इसके बाद, बुधवार को चालान काट दिया गया।

विधायक ने गलती के लिए ड्राइवर को निकाला

मोहनिया विधायक संगीता कुमारी ने कहा, ड्राइवर ने ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करते हुए गाड़ी को मुख्य सड़क पर पार्क कर दिया और फिर वहां से गायब हो गया। वहां खड़ी गाड़ियों की वजह से सड़क पर जाम लग गया। मैंने इस गलती के लिए ड्राइवर को निकाल दिया है।

आगे भी ट्रैफिक पुलिस का एक्शन जारी रहेगा

वहीं पटना के ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया, नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों या ट्रैफिक रुल उल्लंघन करने वाली गाड़ियों का चालान आगे भी कटता रहेगा। चाहे वो गाड़ी आम इंसान की हो या किसी वीआईपी की।

4 करोड़ से बनने वाला पुल 3 वर्षों से लटका दो पिलर का रड खड़ा कर ठेकेदार ही गायब

राजनपुर, एजेंसी। पूर्वी कोसी तटबंध के 108 किलोमीटर के पश्चिम कोसी की उपधारा में मैठखोरहा गांव जाने वाले मुख्यमंत्री ग्राम सड़क में लगभग चार करोड़ की लागत से बनने वाला तीन स्पेन का पुल बीते 3 साल से अधर में पड़ा है। मात्र दो पिलर का रड खड़ा कर संवेदक गायब है। जिसके कारण हजारों आबादी वाले लगभग चार गांव के लोगों को 500 मीटर की दूरी के बजाए 5 किमी का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है।

पुल नहीं बनने के कारण मठखोरहा, जिला टोला, कामा स्थान एवं अन्य गांव के लोग पूर्वी तटबंध पर आने में लगभग 5 किमी पैदल चलकर मनोहर चौक पहुंचते हैं। ग्रामीण व पूर्व मुखिया रामसागर यादव, संजय साह, सागर यादव, अशोक यादव,

रुपेश यादव का कहना है कि तत्कालीन सिमरी बख्तियारपुर के विधायक जफर आलम की अनुशंसा से तीन स्पेन का लगभग चार करोड़ के पुल की स्वीकृति मिली थी। इस पुल का निर्माण शाही कंस्ट्रक्शन के द्वारा कराया जाना है। लेकिन संवेदक 3 साल पहले स्थल पर मात्र एक दो पिलर का रड खड़ा कर गायब हो गया है। जिसके कारण करीब 5 हजार की आबादी को आवागमन की समस्या से जूझना पड़ रहा है। शाही कंस्ट्रक्शन तेघरा को मिला था टेंडर इस संबंध में पूछे जाने पर पूर्व विधायक जफर आलम ने बताया कि मेरे कार्यकाल में मेरे अनुशंसा पर लगभग चार करोड़ की लागत से तीन स्पेन का पुल की स्वीकृति मिली थी जिसका टेंडर शाही कंस्ट्रक्शन तेघरा को मिला था । समय सीमा खत्म हो गया है लेकिन अब तक पुल नहीं बन पाया यह दुर्भाग्य है ।

कार्य स्थल पर निर्माण संबंधी एक भी मेटेरियल कहीं नजर नहीं आया। और न ही योजना संबंधी कोई सूचना पट ही लगा मिला। लगभग 4 करोड़ की लागत से तीन स्पेन का बनने वाल कोशी की उप धारा में मेठखोरहा जाने वाला मुख्यमंत्री ग्राम सड़क में तटबंध और कई गांव को जोड़ने वाला यह पुल बन जाता है तो कई गांव के लोगों को पूर्वी कोसी तटबंध पर पहुंचना आसान हो जाएगा। ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल सिमरीबख्तियारपुर की लापरवाही के कारण क्षेत्र में दर्जनों योजना अधर में पड़ी है।

कुचेश्वर महादेव मंदिर में लगेगा मेला, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

गया, एजेंसी। गया के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक खबर सामने आई है। डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने बताया कि कुचेश्वर महादेव मंदिर में अब हर साल सावन के महीने में दो दिवसीय भव्य मेला आयोजित किया जाएगा। कोच प्रखंड के लोगों में खुशी की लहर है। कुचेश्वर महादेव मंदिर अपनी प्राचीनता और धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। अब इस मंदिर में लगने वाले मेले से यहां पर्यटकों की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है। टिकारी विधायक अनिल कुमार ने इस मेले को मंजूरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने पर्यटन विभाग बिहार सरकार से लगातार समन्वय कर यह सुनिश्चित किया कि कुचेश्वर महादेव मंदिर में हर साल सावन के महीने में भव्य मेला आयोजित किया जाए। जिला प्रशासन इस मेले को भव्य बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। पर्यटन विभाग बिहार सरकार के साथ मिलकर जिला प्रशासन इस मेले को यादगार बनाने के लिए पूरी तैयारी कर रहा है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, धार्मिक अनुष्ठान और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह मेला न केवल धार्मिक महत्व का होगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।

सरकारी जमीन पर कब्जा किया तो अब जाना पड़ेगा जेल, 10 हजार जुर्माना और 6 महीने की होगी सजा

विधानसभा से किराया वसूली-बेदखली संशोधन बिल पास

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने सरकारी जमीन, मकान या दूसरी संपत्ति पर अवैध कब्जा करने वालों को रोकने के लिए नया और कड़ा कानून बना दिया है। सरकार का ये नया कानून बुधवार को बिहार विधानसभा से पास हो गया। सरकार ने सरकारी जमीन, मकान या फिर किसी और सरकारी संपत्ति पर कब्जा करने वालों के साथ साथ सरकारी जमीन को लीज पर लेकर समय पर भुगतान न करने वालों से सख्ती से निपटने के लिए ये कानून बनाया है। नए कानून के तहत सरकारी परिसर में अवैध कब्जे पर 6 महीने की सजा या 10 हजार जुर्माना या दोनों दंड साथ-साथ दिए जाएंगे। पीड़ित एक सप्ताह के अंदर भवन निर्माण विभाग के सचिव के पास अपील कर सकेगा। बिहार सरकारी परिसर (आवंटन, किराया वसूली एवं बेदखली) (संशोधन) विधेयक 2024 मंगलवार को विधानसभा में पारित कर दिया गया। कानून में संशोधन के बाद अब अवैध रूप से सरकारी परिसर पर कब्जा बनाए रखने और निर्देश के अनुसार उसे खाली नहीं करने यानी सरकारी निर्देशों का उल्लंघन करने की स्थिति में जुर्माना/सजा मिलेगी। भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने कहा, सरकारी परिसर में रहने वाले व्यक्तियों से किराए के संग्रह और ऐसे परिसरों से व्यक्तियों को बेदखल करने के लिए कानून में संशोधन किया गया है।

संशोधन क्यों करना पड़ा ?: वर्तमान कानून (बिहार सरकारी परिसर (आवंटन, किराया वसूली एवं बेदखली) अधिनियम, 1956 में लीज पर आवंटित सरकारी भूमि को खाली कराने, लीज किराया का री-शिड्यूलिंग तथा बकाया लीज किराया वसूली आदी से संबंधित नियम स्पष्ट नहीं है। इसको देखते हुए सरकारी परिसर आवंटन किराया वसूली एवं बेदखली कानून में संशोधन करना पड़ा है। समय के साथ कई नए मुद्दे उत्पन्न हुए हैं, जो वर्तमान कानून में शामिल नहीं हैं।

नया प्रावधान क्या जुड़ा? : लीज या पट्टा पर लिए व्यक्ति की मृत्यु के बाद बकाया किराया उनके वारिस से वसूला जाएगा। संशोधन में वारिस से वसूलने का प्रावधान जोड़ा गया है। वारिसों और विधिक प्रतिनिधियों के दायित्व को स्पष्ट किया गया है।

अब क्या होगा? : संशोधन के बाद सरकारी परिसर में कब्जे की संभावना को कम किया जा सकेगा। साथ ही आवश्यकतानुसार राज्य सरकार निश्चित समय के लिए सरकारी परिसर को सरकारी, सेमी गवर्नमेंट और अन्य वैधानिक संस्थाओं को आवंटित कर सकेगी।

क्या कार्रवाई की जाएगी? : यदि कोई भी व्यक्ति आवंटन आदेश, पट्टा, निपटान और लाइसेंस रद्द होने के बाद भी किसी सरकारी परिसर पर अनधिकृत दखल में हैं तो, सक्षम प्राधिकार नोटिस देकर परिसर खाली करने का आदेश देगा। 1 सप्ताह में परिसर खाली नहीं करने पर कार्रवाई होगी।

बिहार में अब तक 1956 का कानून लागू था : मंत्री जयंत राज ने सदन में कहा, अब तक सरकारी परिसरों का उपयोग करने वाले व्यक्तियों से किराया वसूल करने, आवंटन निरस्त करने या फिर उस सरकारी संपत्ति से संबंधित व्यक्ति को बेदखल करने के लिए 1956 का कानून लागू था।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809, 9801344665
डॉ. एस. प्रसाद

बच्चों की सुरक्षा जिला का प्रथम प्राथमिकता है- जिलाधिकारी

जिला के सभी बाल संरक्षण तंत्र एवं संस्थाएं आपस में समन्वय स्थापित कर करें काम- मारग्रेट गोवाडा

बीएनएम। मोतिहारी

जिला बाल संरक्षण इकाई पूर्वी चंपारण के तत्वाधान में गुरुवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन में जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में बाल संरक्षण के मुद्दे पर एक समन्वय बैठक की गई। इस बैठक में यूनिसेफ बिहार के चीफ फील्ड ऑफिसर मारग्रेट गोवाडा, यूनिसेफ बिहार के बाल संरक्षण अधिकारी गार्गी साहा, बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन के पीयूष कुमार सहित बाल संरक्षण के मुद्दे पर काम करने वाली सभी संस्थाएं, तंत्र एवं सभी विभाग के अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक का संचालन सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई अक्षय कुमार ने किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा जिला का प्रथम प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारे जिले के सभी विभाग बच्चों की देख-रेख एवं सुरक्षा को सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने बच्चों के शिक्षा पर जोर डालते हुए कहा कि यह शिक्षा विभाग की पहली प्राथमिकता है कि सभी बच्चे जो 6 से 14 साल के उम्र में है उनका नामांकन विद्यालय में हो, ताकि वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण कर सके। कोई भी बच्चे विद्यालय से बाहर न हो और वह बाल मजदूरी में न जाए। उन्होंने सभी योजनाएं जो बच्चों पर केंद्रित है उसके सुदृढ़ क्रियान्वयन पर जोर डाला। इस अवसर पर यूनिसेफ बिहार की चीफ फील्ड ऑफिसर मारग्रेट ने कहा कि यूनिसेफ बच्चों के लिए काम करती है इसलिए बच्चों की देखरेख एवं सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिला के सभी बाल संरक्षण तंत्र एवं संस्थाएं आपस में समन्वय स्थापित कर काम करें ताकि कोई भी बच्चा सुरक्षा चक्र के बाहर ना चला जाए। उन्होंने इस बात पर भी जोड़ दिया की बिहार में बच्चों की संख्या अन्य राज्यों की तुलना में काफी अधिक है। इसलिए सभी विभागों को आपस में मिलकर काम करने की जरूरत है, ताकि हम बच्चों की देखरेख और सुरक्षा को सुनिश्चित कर पाए। इस अवसर पर यूनिसेफ बिहार के बाल सुरक्षा अधिकारी गार्गी साहा ने कहा कि कोविड के बाद बच्चों के अंदर मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कई समस्याएं आने लगी हैं अब उन्हें मनोसामाजिक सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिला में सभी थानों को चाइल्ड फ्रेंडली पुलिस स्टेशन बनाने की जरूरत है इसके लिए यूनिसेफ ने 24 इंडिकेटर तैयार किया है। यूनिसेफ उन पदाधिकारी को प्रशिक्षित करने का भी काम करेगी जो चाइल्ड फ्रेंडली थाना के पदाधिकारी होंगे। इस अवसर पर बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन के पीयूष कुमार ने कन्वर्जन मीटिंग के उद्देश्यों को बताते हुए कहां कि पुलिस बच्चों के लिए पहले रिस्पांडर है। उन्होंने कहा कि बच्चों के शैक्षणिक पुनर्वास के लिए शिक्षा विभाग को काफी मजबूती से काम करना होगा, बच्चों से संबंधित सभी योजनाओं को सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर लागू करना होगा। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा कि बाल हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को बिहार में सबसे ज्यादा 48 बच्चों का सफल रूप से ऑपरेशन कराया गया है। उन्होंने कहा कि बाल गृह और बालिका गृह में और भी काउंसलर की जरूरत है। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस कविता कुमारी ने कहा कि आईसीडीएस बच्चे और महिलाओं के विकास के लिए काम करती है, जो बच्चों के पूर्व शिक्षा व गर्भवती महिला से लेकर 6 वर्ष के बच्चों के बीच काम करती है। उनका पूरक आहार व पोषाहारदेने का काम करती है साथ ही लैंगिक समानता के लिए वह जागरूक करती है। इस अवसर पर श्रम अधीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बाल श्रम करने वाले बच्चों के लिए जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में धावा दल बनाकर बच्चों को विमुक्त कराया जाता है और उनका पुनर्वास कराई जाती है। डीएसपी मुख्यालय पूजा विश्वास ने कहा कि बच्चे शिक्षा के अभाव के कारण गलत रास्ते पकड़ लेते हैं और और धीरे-धीरे जघन्य अपराध की ओर भी बढ़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे पुलिस विभाग की प्राथमिकता है किस तरह से बच्चों के साथ व्यवहार करें और जरूरतों को पूरा करने में अभिन्न योगदान दें। सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश ने कहा कि हमारा विभाग बच्चों के विकास से संबंधित जागरूकता अभियान में मदद करता है। इस अवसर पर उड़ान परियोजना के जिला सामान्य में हामिद रजा ने कहा कि बच्चों को सशक्त किया जाए ताकि वह खुद की उड़ान भर सके। इस अवसर पर उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रज़ा, प्रखंड समन्वयक जितेंद्र कुमार सिंह, बाल संरक्षण पदाधिकारी आलोक रंजन, जिला मिशन समन्वयक निधि कश्यप महिला एवं बाल विकास निगम, जिला परियोजना प्रबंधक वीरेंद्र राम महिला एवं बाल विकास निगम सहित शिक्षा विभाग, जिला पंचायती राज विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग,मनरेगा, आईसीडीएस विभाग सहित बाल संरक्षण पर काम करने वाली सभी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

नेपाली ट्रक से प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद,एक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

एसपी स्वर्ण प्रभात के दिशा-निर्देश पर कार्रवाई करते हुए हरैया थाना की पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ एक ट्रक को जब्त करते हुए चालक को गिरफ्तार किया गया है। जिला पुलिस के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि हरैया थाना को गुप्त सूचना मिली कि ट्रक के माध्यम से भारी मात्रा में नशीली कफ सिरप नेपाल जाने वाली है। जिसके बाद हरैया थाना प्रभारी अंजन कुमार के नेतृत्व की पुलिस टीम व एसएसबी के जवानो ने छापेमारी करते हुए भारत-नेपाल सीमा पर स्थित एकीकृत जांच चौकी में कस्टम क्लीयरेंस के लिए जा रही एक नेपाली नंबर की ट्रक से 642 बोतल प्रत्येक 100 एमएल का ऑनरेक्स सिरप बरामद किया गया है। जिसका प्रयोग नशीली दवा के रूप में किया जाता है। इस मामले में ट्रक के चालक रक्सौल थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 16 परेउवा निवासी स्व. मो. अब्बास के पुत्र फिरोज आलम को गिरफ्तार किया गया है। बरामद किये गये कफ सिरप की कुल किमत 1 लाख 5 हजार 930 रूपये आंकी गयी है।

पूर्वी चंपारण के सिमरन कांड के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी,मोतिहारी पुलिस की बड़ी उपलब्धि

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के ढाका में हैवानियत व क्रुरता की हद पार करने वाला चर्चित सिमरन कांड में नौ वर्षो से फरार मुख्य आरोपी मोहम्मद शमीम अख्तर की गिरफ्तारी मोतिहारी पुलिस की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। पुलिस ने शमीम को नाटकीय अंदाज में भारत-नेपाल सीमा के रक्सौल से गिरफ्तार किया है। वर्षों से फरार शातिर शमीम नेपाल भागने के फिराक में था। पूर्वी चंपारण जिले के फेनहरा थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर का रहने वाला शमीम पूर्व में चोरी की गाड़ी की खरीदगी व कबाड़ का काम के साथ छोटी मोटी वारदात को अंजाम देता था। लेकिन वर्ष 2015 में उसका ऐसा चेहरा सामने आया कि जिला समेत पूरे राज्य के लोग सिहर उठे थे। जिसका खुलासा सीतामढ़ी रसुलपुर डुमरा की रहने वाली नाबालिग सिमरन(काल्पनिक नाम)की लड़की की ढाका के आजाद चौक के पास एक घर से बरामदगी के बाद हुआ। तबसे शमीम फरार चल रहा था। दरअसल सिमरन के पिता किसी मामले में सीतामढ़ी जेल में बंद थे। जहां शमीम भी बंद था। पति का खाना जेल गेट ले जाने के क्रम में सिमरन की मां से शमीम की पहचान बढ़ी। इस दौरान शमीम जेल से बाहर आया और उसके पति को निकालने का झांसा देकर उसे अपने जाल में फंसा लिया। फिर सिमरन के साथ उसकी मां को लेकर ढ़ाका लाया और उसे कैद कर गलत धंधा कराने लगा। इसी बीच सिमरन की मां की संदिग्धवस्था में मौत हो गई। जिसके बाद शमीम नाबालिग सिमरन को नशा की सुई देकर उसके साथ बलात्कार करने लगा। वर्ष 2015 में पुलिस चोरी की गाड़ी की तलाश में शमीम अख्तर के आजाद चौक स्थित उसके घर पहुंची तो घर में ताला लगा था और शमीम अख्तर फरार था। जांच के बाद पुलिस जब शमीम अख्तर के घर से लौटने को हुई तो उसकी खिड़की से एक लड़की आवाज लगाती मिली। उसके बाद पुलिस ने घर का ताला तोड़कर बाहर निकाला और उससे पूछताछ की तो शमीम अख्तर का क्रूर और वहशी चेहरा सामने आया। सिमरन ने अपने बयान में बताया कि उसके माता और पिता की हत्या शमीम अख्तर ने ही किया है और उसे नशे की सुई देकर उसके साथ बलात्कार करता था। उस वक्त पुलिस ने शमीम के घर से नशे की सुई समेत कई आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया था। जिससे यह साफ हुआ कि शमीम सेक्स रैकेट भी चलाता था। इसके बाद पुलिस शमीम के सहयोगी ढाका के शीतलपट्टी के राजू मियां और करमोहना कुंडवा चैनपुर के मोहम्मद इसरार जेल भेजा। लेकिन कुख्यात शमीम फरार पुलिस चल रहा था। फिलहाल मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात द्धारा गठित टीम ने शमीम को गिरफ्तार कर लिया है। जो एक बड़ी उपलब्धि है।

बिहार का पहला मेटर्नल न्यू बोर्न केयर यूनिट का हुआ उद्घाटन

- सदर अस्पताल के एमसीएच भवन में रोग ग्रस्त बच्चे के साथ अब माँ को भी मिलेगी साथ रहने की सुविधा
- डीएम ने किया उद्घाटन मौके पर बीएमजीएफ एवं यूनिसेफ़ की नेशनल टीम रहीं मौजूद

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सदर अस्पताल परिसर स्थित एमसीएच भवन में गुरुवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने 03 बेड के मदर न्यू बॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू वार्ड) का उद्घाटन किया। उद्घाटन के मौके पर बीएमजीएफ एवं यूनिसेफ़ की नेशनल टीम मौजूद थीं। मौके पर जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, एसएनसीयु के नोडल डॉ. अमृतांशु व अन्य चिकित्सकों ने डीएम को मदर न्यू बॉर्न केयर यूनिट के बारे में महत्वपूर्ण बातें बताई। मौके पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा की प्रसूताओं और उनके नवजात की बेहतर देखभाल के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी में बिहार का मदर न्यू बॉर्न केयर यूनिट तैयार है अब एमएनसीयू वार्डों में रोग ग्रस्त बच्चे के साथ ही उनकी माताओं को भी साथ रखा जाएगा जिससे नवजात रोग ग्रस्त बच्चे का तीव्र गति से रिकवरी हो पाएगा। उन्होंने एसएनसीयु वार्ड का भी निरीक्षण किया व स्वास्थ्य कर्मियों से इलाज व्यवस्था का जायजा लिया।

माँ के साथ रहने वाले रोगग्रस्त बच्चों की तीव्र होती है रिकवरी: डब्लूएचओ के रिसर्च के अनुसार माँ के साथ रहने वाले रोगग्रस्त बच्चों की 40 प्रतिशत तीव्र रिकवरी होती है। वहीं नवजात बच्चों की मृत्यु दर में भी कमी पाई जाती है। मौके पर सीएस डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा की अब नवजात शिशुओं के साथ उनके माताओं को भोजन के साथ अन्य प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। पूर्व से ही सदर अस्पताल मोतिहारी में एसएनसीयू वार्ड में 16 बेड की सुविधा दी जा रहीं है जिसमें बच्चे के कई गंभीर रोग का इलाज बेहतर ढंग से किया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल दुबे एवं डॉ. अमृतांशु ने बताया की वार्डों में प्रसूता महिलाओं और उनके बच्चों की बेहतर देखभाल के लिए इमरजेंसी में भी चिकित्सकों की निगरानी रहेगी। यहां प्रशिक्षित स्वास्थकर्मियों को तैनात किया जाएगा। इस यूनिट में असमय जन्म, कम वजन, हाईपोथरमिया, सांस रोग, के बच्चों को जरूरत के अनुसार उपचार मुहैया कराया जाएगा। मौके पर सीएस, डीएस, डीपीएम, बीएमजीएफ, यूनिसेफ की नेशनल टीम, डीसीएम, स्वास्थ्य प्रबंधक, पीरामल, सिफार व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

MR NURSING HOME
MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

राजद ने 65%आरक्षण लागू करने के लिए एकदिवसीय धरना

बीएनएम। मोतिहारी

जिला राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति अति पिछड़ा तथा पिछड़ा को 65% आरक्षण लागू करने के लिए कचहरी चौक पर एकदिवसीय धरना दिया गया। इस धरना की अध्यक्षता जिला राजद मधुबन संगठन अध्यक्ष नूरआलम खान ने किया। मच संचालन जिला राजद प्रधान महासचिव सुरेश सहनी ने किया। इस धरना की अध्यक्षता करते हुए जिला राजद मधुबन संगठन अध्यक्ष नूर आलम खान ने कहा कि महागठबंधन सरकार ने तेजस्वी यादव के नेतृत्व में जो 65% आरक्षण की व्यवस्था की थी उसको केंद्र सरकार के द्वारा नवमी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर धरना दिया गया है। एनडीए की सरकार शोषितों वंचितों पिछड़ो दलित और आदिवासियों के साथ न्याय नहीं कर रही है। उन्हें हक और अधिकार दें। अगर एनडीए सरकार 65% आरक्षण सीमा का समर्थन नहीं करती है तो इसका सीधा अर्थ है कि 65% आरक्षण के अनुसार सरकारी नौकरियों में आरक्षित वर्गों को 16% कम नौकरियां मिलेगी। इसके लिए नीतीश सरकार दोषी है जिला राजद प्रधान महासचिव सुरेश साहनी ने कहा कि जदयू के बल पर यह सरकार चल रही है। लेकिन अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी में नैतिक और वैचारिक साहस नहीं है कि बाबा साहब के आरक्षण विरोधी केंद्र सरकार को इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने पर मजबूर कर सके। मेयर प्रीति गुप्ता ने कहा कि बीजेपी के लोगों ने पिछले दरवाजे से 65 परसेंट आरक्षण सीमा को निरस्त कराया अब हमारी मांग है कि बिहार सरकार पुनः एक नया विधेयक लाकर इसकी सीमा को 85% तक बढ़ाएं और इसे नवमी अनुसूची में सम्मिलित करने का प्रस्ताव एनडीए कि केंद्र सरकार को भेजें। इस अवसर पर मेयर प्रीति गुप्ता पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण यादव पूर्व जिला राजद अध्यक्ष अरुण यादव राष्ट्रीय सचिव संतोष जायसवाल पूर्व प्रत्याशी अच्छी लाल यादव युवा राजद अध्यक्ष नूरुल होंडा अंसारी प्रदेश महासचिव भोला शाह तुरहा राजद मीडिया प्रभारी जावेद अहमद पवन यादव मणि भूषण श्रीवास्तव लालबाबू खान प्रेम यादव अरुण कुशवाहा पूनम देवी मुनीलाल यादव राजकुमार निषाद अवनीश यादव कुमार शिवम शाह मुन्ना पंडित मनदीप यादव शौकी लाल साहनी जेपी यादव कृष्ण प्रसाद शाह राजेंद्र यादव बदरुल हुडा निखिल किशोर जगदीश विद्रोही लाल बाबू यादव रवि मस्कारा इत्यादि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पैक्स चुनाव : केसरिया प्रखंड क्षेत्र में आज होगा मतदान

52 बूथों पर 32567 मतदाता डालेंगे वोट

बीएनएम। केसरिया। पैक्स चुनाव को लेकर आज मतदान होगा। शांतिपूर्ण व निष्पक्ष माहौल में चुनाव कराने को लेकर प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है। गुरुवार को उच्च विद्यालय केसरिया डिस्पैच सेंटर से मतदान कर्मियों को मतपेटी व अन्य मतदान समाग्री के साथ रवाना किया गया। आरओ सह बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने बताया कि प्रखण्ड क्षेत्र के 13 पैक्स में अध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्य पद को लेकर 52 बूथों पर मतदान होगा। इसमें कुल 32567 मतदाता वोट डालेंगे। मतदान सुबह सात बजे से संध्या पाँच बजे तक होगी। मतों की गिनती अगले दिन यानि शनिवार को करायी जाएगी। उन्होंने बताया कि शांतिपूर्ण व निष्पक्ष माहौल में चुनाव कराने को लेकर पर्याप्त मात्रा में मतदान कर्मी व पुलिस बल लगाया गया है। वहीं सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, मजिस्ट्रेट व सेक्टर मजिस्ट्रेट को भी लगाया गया है। ज्ञात हो कि मठिया, पूर्वी सुन्दरापुर बिजधरी व गोंछी कुशहर पैक्स में अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

10 हजार के इनामी बदमाश धराया

बीएनएम। तुरकौलिया। रघुनाथपुर पुलिस ने 10 हजार के इनामी बदमाश को पकड़ा है। पकड़ा गया बदमाश हरसिद्धि थाना क्षेत्र के उज्जैन लोहियार डोभी टोला के मोतीलाल महतो का पुत्र कर्ण कुमार है। जो अपहरण, मादक पदार्थ तस्करी और शराब कारोबार कांड में करीब पांच महीने से फरार चल रहा था। जिसको पकड़ने के लिए एसपी स्वर्ण प्रभात ने 10 हजार का इनाम रखा था। थानाध्यक्ष विकास कुमार पासवान ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बरियारपुर बाईपास रोड रूल्ही के समीप छापेमारी कर 10 हजार इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया। जिसे जेल भेज दिया गया।

छापेमारी में शराब कारोबारी सहित चार लोग गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। एसपी स्वर्ण प्रभात के पुलिसिया जाल में अब शराब कारोबारी या कानून को तोड़ने वाले कि खैर नहीं। इसी कड़ी में थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर पुलिस ने छापेमारी कर शराब कारोबारी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। सेमरा भोला टोला के शराब कारोबारी कामेश्वर राउत को 12 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जहां शराब सेवन के आरोप में सेमरा से कृष्णा भगत को हिरासत में लिया गया है। वहीं शराब पीकर अपने माता पिता के साथ मारपीट करने के आरोप में कवलपुर गांव के कृष्णा कुमार को गिरफ्तार किया है। वहीं वारंटी बेलवा पेठिया टोला के रामलाल साह को भी गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि शराब कारोबारी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसे जेल भेज दिया गया।

वक्फ भूमि संरक्षण और प्रबंधन को लेकर वर्कशॉप का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

बुधवार की देर संध्या मोतिहारी स्थित अल्लामा इकबाल कॉन्फ्रेंस हॉल में वक्फ भूमि के संरक्षण हेतू "तहफ्फुजे अवकाफ" वर्कशॉप का आयोजन हुआ। इस वर्कशाप की अध्यक्षता अमीर ए शरीयत हजरत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी साहब ने की और संचालन काजी अतहर जावेद (काजीः दरुलकाजा पुर्वी चम्पारण) ने किया। इस वर्कशॉप को संबोधित करते हुए हजरत अमीर ए शरीअत ने जिला के उलेमा ए कराम, डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, वकील एवं बुद्धिजीवीयों को वक्फ अमेंडमेंट बिल के सभी पहलुओं को विस्तार से बताया। उन्होंने ये समझाने की कोशिश कि ये बिल किस तरह से संविधान के मौलिक अधिकारो एवं मानवाधिकार का उल्लंघन करता है । इस वर्कशॉप में हजरत अमीर ए शरीयत ने इस बिल से होने वाले तमाम नुकसान को बिन्दुवार समझाया और साथ ही उन्होंने वक्फ के बचाव और उससे संभावित कानूनी पहलुओं पर बात की । उन्होंने कहा कि ये बिल बिना स्टेक होल्डर्स से बात किए हुए जल्दीबाजी में लाया गया जो कि मुसलमानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है इसलिए हम सभी इस बिल को रद्द करते हैं । इस वर्कशॉप में डॉ तबरेज अजीज , इंजीनियर हामिद जफर , डॉ तारिक जफर , काजी अतहर जावेद, काजी रेयाज अहमद कासमी , डॉ परवेज अजीज , एडवोकेट जाकिर बलिग, डॉ कासिम अंसारी, मौलाना सिबगतुल्लाह एवं अन्य सैकड़ों लोग मौजूद थे ।

हाथों में मेंहदी फिर भी रक्त नमूने देने आयी महिलाएं

बीएनएम। सीतामढ़ी

28 नवंबर हाथों में मेहंदी और घर का लगन से समय निकाल महिलाएं नाइट ब्लड सर्वे में भाग ले रही थी। सोनबरसा के आदर्श मध्य विद्यालय, मढिया, मे जिला भीबीडी नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सोनबरसा की ओर से 2 दिवसीय रात्रि रक्तपट संग्रह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें रात्रि के 8.30 से 1.00 के बीच 300 वयस्क लोगों के रक्त के नमूने लिए जाने थे। शादी का लग्न होने के कारण लक्ष्य कुछ कठिन प्रतीत हो रहा था। परन्तु मढिया की समझदार महिला ने काम बिल्कुल आसान कर दिया। शादी घर की महिलाओं ने भी इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और हाथों में लगी मेहंदी को धुलवाकर अपने रक्त के नमूने दिये। यदि ऐसा ही रहा जज्बा तो सीतामढ़ी फाइलेरिया उन्मूलन में भी राज्य ही नहीं देश में अग्रणी रहेगा। विदित हो कि सोमवार को जिला पदाधिकारी रिची पांडेय और जिला भी बी डी नियंत्रण पदाधिकारी डॉ रवीन्द्र कुमार यादव ने पुनौरा धाम से इसकी शुरुआत की थी । मौके पर सोनबरसा प्रभारी डॉ कन्हैया कुमार अपनी पूरी टीम के साथ मौजूद थे और फाइलेरिया जागरूकता हेतु वीडियो भी चलाये जा रहे थे।

बाल विवाह रोकने को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

बीएनएम। मोतिहारी

केन्द्र सरकार के द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत पहल की शुरूआत किये जाने के साथ ही, इसको लेकर जागरूकता का प्रयास शुरू कर दिया गया है। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की सोच के साथ विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन करते हुए इसकी जानकारी दी गयी। इसकी जानकारी देते हुए प्रयास की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी ने बताया कि रक्सौल अनुमंडल के आदापुर, रक्सौल, रामगढ़वा प्रखंड में संचालित स्कूलों के साथ-साथ एसएसबी के पदाधिकारियों के साथ-साथ अन्य सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें लगभग 15 हजार 500 लोगों ने अपने गांव में बाल विवाह रोकने की शपथ ली। आरती ने बताया कि आने वाले दिन में इस पहल का सकारातमक परिणाम देखने को मिलेगा और 2030 तक बाल विवाह को पूर्ण रूप से समाप्त किया जा सकता है। मौके पर विजय कुमार शर्मा, राज गुप्ता, उमेश कुमार श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, सुमन पटेल, मो. नायाब आलम, सुमन चौरसिया, उत्तम कुमार घोष, सब इंस्पेक्टर दिव्या शर्मा, प्रदीप काजी, अरविंद द्विवेदी सहित अन्य मौजूद थे।

महिला हिंसा उन्मूलन पखवाड़ा आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग व जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के तत्वाधान में महिला हिंसा उन्मूलन पखवाड़ा अंतर्गत मोतिहारी सदर प्रखंड के खुशबूनगर , जगजीवन नगर, बेगमपुर के अनुसूचित जाति समूह के किशोरी बच्चियों के साथ बैठक आयोजन किया गया। इस क्रम में 50 किशोरियों के बीच महावारी स्वच्छता कीट का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी के द्वारा महिलाओं पर हो रही लिंग आधारित हिंसा में घरेलू हिंसा,शारीरिक हिंसा, मनोवैज्ञानिक , आर्थिक एवं भावनात्मक शोषण शामिल हो सकते है । इसी क्रम में महावारी कीट वितरण किया गया साथ ही किशोरियों और महिलाओं को माहवारी स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।इनके द्वारा बताया गया कि मासिक धर्म कोई अपराध नहीं है ये एक सामान्य शारीरिक प्रकिया है, जिस पर घर और समाज में खुलकर बात की जाए तो इस दौरान स्वच्छता के महत्व को समझा जा सकता | जिला परियोजना प्रबंधक, महिला एवं विकास निगम के द्वारा skill development centres के बारे में बताया गया जिसमे बच्चियों को General duty assistant का प्रशिक्षण दिया जाता है। जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी के द्वारा सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। यथा डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन एवं महिला हेल्प लाइन के कार्यो एवं कन्या उत्थान योजना के लाभ के एवं मुख्य मंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में बताया। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी मोतिहारी सदर एवं कोटवा द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006,और उसके प्रावधान सहित अन्य कानून के बारे में बताया गया। इस अवसर पर अनुष्का कुमारी, संजना कुमारी, मंजली कुमारी,कोमल कुमारी, खुशी कुमारी, निम्मी कुमारी,माधुरी कुमारी,ज्योति कुमारी,सोनी कुमारी सहित करीब 65 किशोरी और अभिभावक मौजूद थे।

अफस्पा वापस लेने का अनुरोध

हालात ऐसे बने हैं कि खुद बीरेन सिंह सरकार ने केंद्र से अफस्पा वापस लेने का अनुरोध किया है। इस कानून को लेकर मणिपुर में विरोध का लंबा इतिहास है, जिस कारण इसका नाम ही वहां नकारात्मक प्रतिक्रिया पैदा करता है। मणिपुर हिंसा की चपेट में है। इंफ़ाल घाटी में विधायकों और मंत्रियों के घरों पर हुए हमले इस बात की तस्दीक करते हैं कि फिलहाल राज्य में अराजकता जैसी हालत है। बेकाबू भीड़ पर कई जगहों पर पुलिस ने लाठी चलाई है या आंसू गैस के गोले दाग़े हैं। राजधानी इंफ़ाल समेत कई इलाक़ों में कफ़र्यू लगाया गया है। कई जगहों पर इंटरनेट सेवा बंद है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री एन. बीरेन की पीठ पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का हाथ बना हुआ है, जिनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि अब उनकी सरकार के सहयोगी दल एनपीपी ने भी समर्थन वापस ले लिया है। हैरतअंगेज है कि सवा साल से हिंसा में झुलस रहे इस राज्य में मौतों और बढ़ी सामाजिक खाई के लिए किसी की सियासी जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। इस बीच समस्या का हल सख्ती से निकालने के नजरिए के तहत केंद्र ने राज्य के छह थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार कानून (अफ्सपा) लागू कर दिया है, मगर इस फैसले से जन असंतोष और भड़क उठने के संकेत हैं। हालात ऐसे बने हैं कि खुद बीरेन सिंह सरकार ने केंद्र को पत्र लिख कर इन थाना क्षेत्रों से अफस्पा हटाने का अनुरोध किया है। अफ्सपा के तहत सशस्त्र बलों को कार्रवाई की खास शक्तियां मिल जाती हैं। इस कानून को लेकर मणिपुर में विरोध का लंबा इतिहास है, जिस कारण इसका नाम ही वहां नकारात्मक प्रतिक्रिया पैदा करता है। राज्य की भाजपा सरकार ने संभवतः इसे समझते हुए ही केंद्र को चि_ी लिखी है। केंद्र को इस पत्र को गंभीरता से लेना चाहिए। मणिपुर में जरूरत संवाद और संवेदनशीलता की है। इसे ना दिखाने का परिणाम है कि कुकी समुदाय के इलाकों में हिंसक प्रतिक्रिया बढ़ी है, वहीं बहुसंख्यक मैतेई समुदाय में गुस्सा और ध्रुवीकरण तीखा हुआ है। ये सारा घटनाक्रम देखते-देखते विस्फोटक होता गया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार और भाजपा का नेतृत्व वहां बनते हालात से संभवतः जानबूझ कर बेखबर बना रहा है। क्या अब भी हालात को वह गंभीरता से लेगा? याद रखना चाहिए कि मणिपुर की घटनाओं से पूरा उत्तर-पूर्व प्रभावित हो सकता है।

लोकतंत्र और इस्लामी मूल्यों के खिलाफ है वैश्विक खिलाफत की अवधारणा

वैश्विक खिलाफत की काल्पनिक अवधारणा उसी प्रकार गैर वाजिब है, जैसे पुरातनपंथी हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा। यह दोनों अवधारणा काल्पनिक है और आधुनिक लोकतांत्रिक विश्व में इसका कोई स्थान नहीं है। दरअसल, आज इस बात की चर्चा इसलिए जरूरी है कि दुनिया के कुछ इस्लामिक चरमपंथियों ने एक बार फिर वैश्विक खिलाफत की बात प्रारंभ की है। विगत कुछ वर्षों में भारत सहित दक्षिण एशिया के कई देशों में इस विचार से प्रेरित युवकों को असामाजिक व गैर राष्ट्रवादी गतिविधियों में संलिप्त देखा गया। हाल के वर्षों में हिज्ब उत-तहरीर की गतिविधियों को लेकर भारत में चिंता बढ़ी है। पहले तो हमें हिज्ब उत-तहरीर को समझना होगा। यह एक अंतरराष्ट्रीय इस्लामिक संगठन है, जिसका उद्देश्य इस्लामी खिलाफत को पुनर्स्थापित करना है। इसका नाम अरबी में ''हिज्ब-उत-तहरीर'' है, जिसका अर्थ है- ''मुक्ति की पार्टी।'' वर्ष 1953 में एक फिलिस्तीनी इस्लामिक चरमपंथी उकीउद्दीन नबहानी ने जेरूसलम में इसकी स्थापना की थी। हिज्ब-उत-तहरीर का दावा है कि वह राजनीतिक, बौद्धिक और वैचारिक तरीकों से काम करता है और हिंसा में कोई विश्वास नहीं करता लेकिन इसके कार्यकर्ता दुनिया के लगभग 50 देशों में हिंसक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं। यहां तक कि कई इस्लामिक देशों में भी यह संगठन वहां की सत्ता के लिए चुनौती बना हुआ है। संगठन का मानना है कि मुसलमानों को एक खलीफा के नेतृत्व में एकजुट होना चाहिए, जो शरियत कानून के अनुसार शासन करे। इसका मुख्य उद्देश्य एक वैश्विक इस्लामी खिलाफत की स्थापना है, जो मुसलमानों की राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन को इस्लामी सिद्धांतों के अनुसार नियंत्रित करे। वस्तुतः इस संगठन का दावा और हकीकत दोनों एक-दूसरे के विपरीत हैं। यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के मुताबिक, ये संगठन गैर-सैन्य तरीकों से खिलाफत की पुनर्स्थापना पर काम करता है। इसलिए कई देश, इस संगठन पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। हिज्ब-उत-तहरीर पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों में बांग्लादेश और चीन के अलावा जर्मनी, रूस, इंडोनेशिया, लेबनान, यमन, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। दुनिया के अन्य कई देश इस संगठन की निगरानी कर रहे हैं क्योंकि वहां की राजनीतिक व्यवस्था के लिए भी यह चुनौती पैदा करने लगा है। इसके बावजूद, यह संगठन दुनिया के 50 से अधिक देशों में सक्रिय है। 10 लाख से अधिक इसके सक्रिय सदस्यों की संख्या बतायी जाती है। हिज्ब-उत-तहरीर का भारत में बहुत व्यापक आधार नहीं है लेकिन हाल के वर्षों में इसके प्रभाव और गतिविधियों पर ध्यान दिया गया है। हिज्ब-उत-तहरीर का मुख्य उद्देश्य इस्लामिक खिलाफत स्थापित करना है, जो भारत के संविधान और धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। हिज्ब-उत-तहरीर ने भारत में बहुत अधिक खुले तौर पर गतिविधियां नहीं की हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह गुप्त रूप से भारत में सक्रिय है। संगठन के सदस्यों पर भारत के विभिन्न हिस्सों में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और खिलाफत की विचारधारा का आरोप लगा है। भारत में सुरक्षा एजेंसियां इस संगठन पर नजर रखी है और इसके संभावित नेटवर्क को रोकने के प्रयास करती है। इस क्रम में भारत सरकार ने हाल ही में इस कट्टरपंथी समूह को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। इसपर प्रतिबंध के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि हिज्ब-उत-तहरीर का लक्ष्य लोकतांत्रिक सरकार को जिहाद के माध्यम से हटाकर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक देश और खिलाफत स्थापित करना है। मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा है कि हिज्ब-उत-तहरीर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर हिज्ब-उत-तहरीर को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करने के साथ, यह समझना महत्वपूर्ण है कि न केवल इसकी गतिविधियां भारतीय कानून के तहत अवैध हैं, बल्कि यह मूल इस्लामिक सिद्धांतों के खिलाफ भी है।

नीतिगत क्रियान्वयन से भारत में सहकारिता आंदोलन को दिया जा रहा बढ़ावा

शाजी के.वी

साझा आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समावेशी विकास रणनीति सहकार से समृद्धि के देश में अब तक काफी कारगर नतीजे सामने आए हैं। स्वतंत्रता से पहले के दौर में अगर हम भारत में सहकारिता आंदोलन की उत्पत्ति को देखें तो पाएंगे कि इसकी शुरुआत किसानों की गरीबी कम करने की चुनौती से हुई थी, जिसका मुख्य कारण बार-बार पड़ने वाला सूखा और साहूकारों की सूदखोरी प्रवृत्ति था। एनएएफआईएस, 2021-22 के अनुसार यह काफी प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण सहकारी ऋण संस्थानों के माध्यम से केंद्र सरकार की निरंतर और लक्षित वित्तीय समावेशी पहलों के कारण, ग्रामीण परिवारों की साहूकारों और जमींदारों पर निर्भरता अब घटकर मात्र 4.2 प्रतिशत रह गई है। भारत में सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने वाली प्रारंभिक शक्तियां भले ही अब कमज़ोर पड़ रही हों, लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस समय कई नई और जटिल उभरती चुनौतियां हैं, जिनके लिए सहकारी आंदोलन को नई दिशा और उस पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसी के अनुरूप देश 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इन नई चुनौतियों में किसानों की आय बढ़ाने से लेकर एक कुशल ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला हासिल करना, स्थायी आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना, कृषि के अलावा अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना, कृषि उत्पादकता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले प्रयासों को बढ़ाना और डिजिटल क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना शामिल है। सहकारी संस्थाएं अपने मजबूत स्थानीय ज्ञान, पूर्व की घटनाओं से अनुभव हासिल कर भविष्य की नई योजनाएं, संपर्क कार्यक्रम बनाने तथा इन्हें मजबूत करने की क्षमता और नए कारोबारी माहौल के अनुरूप ढलने के कारण इन चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हो सकती हैं। सहकारी संस्थाओं के लिए मददगार नीतियां बनाने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र महासभा की 'सामाजिक विकास में सहकारी समितियों पर रिपोर्टÓ (जुलाई 2023) से जानकारी प्राप्त करना उपयोगी हो सकता है, जो इस बात पर ज़ोर देती है कि सहकारी समितियां बाज़ार संबंधी विफलताओं से निपटने, हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने, रोज़गार के अवसर बढ़ाकर सतत विकास को सहारा देकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। यह रिपोर्ट सहकारी समितियों के लिए एक उद्यमी प्रक्रियागत दृष्टिकोण की सिफारिश करती है, जो एक स्थानीय माहौल में आपस में जुड़े हुए नेटवर्क के माध्यम से सभी हिस्सेदारों को जोड़ती है।

भारत के सहकारी क्षेत्र में दूध और चीनी के क्षेत्रों में मिली अपार सफलता केवल एकीकृत दृष्टिकोण के महत्व को ही प्रमाणित करती है। इसका एक और अन्य सफल उदाहरण भारत की सबसे पुरानी श्रमिक सहकारी संस्था - उरालुंगल लेबर कॉन्ट्रैक्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी का है, जो बुनियादी ढाँचे से जुड़ी है और इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रही है। यह वैकल्पिक उद्यमशीलता मॉडल का एक अनूठा उदाहरण है। यहां सहकारिता के दो विशिष्ट पहलुओं का उल्लेख करना आवश्यक हैः पहला, सहकारी समितियों के बीच सहयोग का महत्व - जब उरालुंगल को एक सड़क परियोजना हेतु लिए गए भारी कर्ज की किश्तें चुकानी थीं, तो उसने 38 प्राथमिक सहकारी समितियों का एक संघ बनाया और उनकी मदद से यह भारी राशि जुटा सकी, जिससे उसकी साख भी बनी रही और साथ ही उसका विस्तार भी हुआ; दूसरा, निजी फर्मों के विपरीत, संकट की स्थिति में एक श्रमिक सहकारी समिति द्वारा रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

अमित शाह के शानदार नेतृत्व में भारत सरकार में एक नए सहकारिता मंत्रालय के गठन के परिणामस्वरूप सहकारी समितियों के लिए भारत में हाल की नीतियों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उभरती चुनौतियों की व्यापक और जटिल प्रकृति को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। इस तरह के कुछ बड़े प्रयासों में कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का गठन, इसे कंप्यूटरीकृत करना, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन और पैक्स के लिए खुदरा पेट्रोल/डीजल आउटलेट/ एलपीजी वितरण अधिकार; सहकारी क्षेत्र में गोदामों का व्यापक नेटवर्क; मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) का गठन; शामिल नहीं की गई पंचायतों में नए बहुउद्देशीय पैक्स/डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियां और पैक्स के लिए मॉडल उप-नियम शामिल हैं। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), सहकारी समितियों के लिए अपने बहुस्तरीय और गतिशील रूप से उत्तरदायी सहयोगात्मक ढांचे के साथ, मंत्रालय के मार्गदर्शन में, सतत प्रक्रिया के रूप में नीति क्रियान्वयन से जुड़े लोगों को सक्षम बनाता है जिसमें (अ) ग्रामीण सहकारी बैंकों को पुनर्वित्तपोषण का प्रावधान, कृषि, संबद्ध क्षेत्रों और ग्रामीण गैर-कृषि गतिविधियों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋण देने के लिए उनके संसाधनों में पूर्ति करना; (ब) सहकारी विकास निधि के माध्यम से विकासात्मक समर्थन और वित्तीय समावेशन निधि के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना; (स) नीति और कार्यान्वयन समर्थन, जैसे पैक्स का कम्प्यूटरीकरण और 300 से अधिक ई-सेवाएं प्रदान करने वाले सामान्य सेवा केंद्रों के रूप में पैक्स का कार्यान्वयन, और (द) वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षण जैसे प्रयास शामिल हैं। नाबार्ड सहकारी समितियों को एक-दूसरे के तुलनात्मक लाभों से लाभान्वित करने की सुविधा प्रदान कर इस आंदोलन को मजबूत करने के लिए सहकारी समितियों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। इस पहल में वित्तीय पक्ष से जुड़ा एक महत्वपूर्ण बिंदु- सहकारी समितियों और उनके सदस्यों के मौजूदा बैंक खातों को विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों में समेकित करना और उन्हें एक केंद्रीकृत जिला/ राज्य सहकारी के तहत रखना होगा, जिससे सहकारी प्रणाली के संसाधन प्रणाली के भीतर ही बने रहेंगे। भविष्य में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में नीतिगत तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है। हाल के वर्षों में टमाटर, आलू और प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण दुग्ध क्षेत्र की तर्ज पर इन तीनों वस्तुओं के लिए अधिक से अधिक किसान उत्पादक संगठनों का गठन और एक एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला मदद कर सकती है। आंतरिक तौर पर पूंजी निर्माण या सहकारी समितियों की आय को उनके भीतर ही बनाए रखना इन समितियों के विस्तार और आधुनिकीकरण की योजना बनाने में मददगार साबित हो सकता है। यह उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बढ़ते महत्व को देखते हुए उपयोगी होगा। उपलब्ध कृषि योग्य भूमि के पीढ़ी दर पीढी बंटवारे को देखते हुए बागवानी फसलों की बिक्री से होने वाले लाभों के मद्देनजर विशेष रूप से बहु-राज्य सहकारी समितियों को उत्पादकों का एक व्यापक नेटवर्क बनाने की आवश्यकता हो सकती है। यह लागत को कम करने और उनकी मोलभाव करने की क्षमता में सुधार करने में मदद कर सकता है। भूमि स्वामित्व पर किसी भी जोखिम के बिना सहकारी समितियों द्वारा बड़े पैमाने पर भूमि पूलिंग जैसे क्षेत्रों पर ध्यान दे सकती है। ङ्खञ्जह्र के अनुरूप प्रसंस्कृत उत्पाद एक मजबूत कृषि-निर्यात उत्पाद क्षेत्र बनाने में मदद करने, तकनीक अपनाने, अधिक पारदर्शिता के साथ व्यापार करने में आसानी; प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण और उद्यमी कारोबारी तंत्र के विभिन्न हिस्सों के रूप में कृषि स्टार्ट-अप के साथ अंतर्संबंधों को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता होगी। वित्तीय संसाधनों तक पहुंच को उत्कृष्टता संबंधी प्रदर्शन से जोड़ा जाना चाहिए, जिसके लिए संसाधनों और उत्कृष्टता परिणामों के अंतिम उपयोग की जानकारी के साथ एक मजबूत डेटा बेस विकसित करने की आवश्यकता होगी। ऋण क्षमता के आकलन के आधार पर कृषि ऋण के लिए वर्तमान आपूर्ति-आधारित दृष्टिकोण को धीरे-धीरे अंतिम उपयोग और परिणामों से संबंद्ध प्रतिबद्धताओं के आधार पर ऋण की प्रभावी मांग द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

सहकारी समितियों को नए उभरते नवप्रवर्तकों या नए कारोबारी विचारों की पहचान करने और उन्हें आगे बढ़ाने, वित्तीय और अतिरिक्त सहायताएं देने के लिए एक प्रणाली स्थापित करने की आवश्यकता भी हो सकती है। नीतिगत पोषण से प्रेरित एक पुनर्जीवित सहकारी आंदोलन देश में अधिक समावेशी ग्रामीण आर्थिक समृद्धि का अग्रदूत हो सकता है।

जी-20 का आयोजन एक रस्म-अदायगी

सत्येन्द्र रंजन

रियो द जनेरो शिखर सम्मेलन पर भी ट्रंप का साया महसूस हुआ। विभिन्न देश ट्रंप के नए कार्यकाल से जुड़ी आशंकाओं के अनुरूप अपनी नीति को नए सिरे से तय करने के प्रयास में जुटे हुए हैं। वैसे में रियो सम्मेलन की यही सफलता मानी जाएगी कि वहां जी-20 के अधिकांश राष्ट्राध्यक्ष/शासन प्रमुख आए। प्रमुख नेताओं में सिर्फ रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन गैर-हाजिर रहे, जिनकी जगह रूस की नुमाइंदगी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने की। ब्राजील का शहर रियो द जनेरो जी-20 की अप्रसांगिकता का गवाह बना। दरअसल, यहां यह जाहिर हुआ कि कैसे हर गुजरते साल के साथ इस मंच की उपयोगिता संदिग्ध होती जा रही है। विश्व की सबसे बड़ी 20 अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के नेता एक जगह इक्_ हों, लेकिन वे विश्व की बुनियादी समस्याओं पर एक राय ना बना पाएं, तो उस मंच की भूमिका और जरूरत पर सवाल खड़े होना लाजिमी ही है। जी-20 का 2022 का शिखर सम्मेलन में इंडोनेशिया के बाली में हुआ था। उस समय यूक्रेन युद्ध का साया उस पर पड़ा, जिस कारण वहां साझा घोषणापत्र पर आम सहमति बन सकी। साझा घोषणापत्र के रूप में जारी दस्तावेज में सिर्फ यह दर्ज किया गया कि किन देशों ने इस युद्ध और उससे बनी विश्व परिस्थितियों के बारे में क्या राय जताई है। इस लिहाज से 2023 में नई दिल्ली शिखर सम्मेलन अपेक्षाकृत कामयाब रहा। यहां कम-से-कम यह तो जरूर हुआ कि भले ही कमजोर भाषा के साथ एक साझा घोषणापत्र पर सहमति बन गई। नई दिल्ली घोषणापत्र को उचित ही भारतीय कूटनीति की सफलता बताया गया था। इसे वैश्विक गोलबंदी के बीच दोनों समूहों में भारत की बढ़ती जरूरत के रूप में चिह्नित किया गया। नई दिल्ली में पश्चिमी देशों और चीन-रूस के नेतृत्व में उभरती धुरी दोनों ने एक साझा दस्तावेज पर दस्तखत किए। इस दस्तावेज की भाषा पश्चिम के सख्त रुख के विपरीत थी। बहरहाल, गौरतलब है कि यह सम्मेलन सितंबर में आयोजित हुआ था। उसके महीने भर बाद ही हमास के इजराइल पर हुए हमलों के साथ फिलस्तीन के गजा में शुरू हुए इजराइली मानव संहार ने वैश्विक परिस्थितियों में एक नया बदलाव ला दिया। इस घटनाक्रम ने वैश्विक गोलबंदी को और सख्त किया है। इसकी छाया आज हर अंतरराष्ट्रीय बैठक पर है। रियो में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के उस छाया से बचने की संभावना पहले से नहीं थी। ये बात 18 नवंबर की रात जाहिर हो गई। जी-20 नेताओं ने रियो घोषणापत्र जारी किया है, लेकिन उसकी भाषा को देखें, तो उसका कोई व्यावहारिक मतलब नहीं है। सार यह कि रियो शिखर सम्मेलन इस समय की प्रमुख वैश्विक घटनाओं पर किसी पहल या प्रभावशाली साझा रुख तय करने में विफल रहा है। घोषणापत्र के तीन पहलुओं पर ध्यान दीजिएः जी-20 नेताओं ने गज़ा पट्टी में मानवीय स्थिति और लेबनान में तनाव वृद्धि पर चिंता जताई। उन्होंने मानवीय सहायता में बढ़ोतरी और युद्धविराम की जरूरत पर जोर दिया।? जी-20 देशों ने यूक्रेन की लड़ाई में ऐसी हर रचनात्मक पहल का स्वागत किया, जो शांति कायम करने में सहायक हो।? शिखर सम्मेलन ने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन की लड़ाई का वैश्विक ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा पर खराब असर पड़ा है।? शिखर सम्मेलन में भागीदार नेताओं ने दुनिया को परमाणु हथियारों से मुक्त रखने का पक्ष लिया।? जी-20 नेताओं ने इस बात को स्वीकार किया कि प्रगतिशील कराधान विषमता को घटाने का प्रमुख औजार है।? मगर इन सभी मसलों पर कोई निर्णय नहीं हुआ। ना ही मिल-जुल कर उपरोक्त भावनाओं को अमली जामा पहनाने की कोई योजना सामने आई। यह रेखांकित करने की जरूरत है कि साझा घोषणापत्र में विभिन्न देशों के उन वक्तव्यों को शामिल नहीं किया गया है, जिन पर पूरी सहमति नहीं थी। अर्जेंटीना के सुपरनोवा कैपिटलिस्ट* बताए जाने वाले राष्ट्रपति हैवियर मिलेय ने दस्तावेज पर दस्तखत करने से पहले यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी इसमें शामिल कई बिंदुओं से असहमति है। खास कर उन्होंने प्रगतिशील कराधान, आर्थिक गैर-बराबरी और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध से संबंधित चिंताओं एवं सोशल मीडिया पर स्वतंत्रता की जरूरत संबंधी बातों से असहमति जताई। तो सार क्या है? स्पष्टतः यही कि जी-20 नेताओं ने काफी ऊर्जा ऐसी कमजोर भाषा पर सहमति बनाने में लगाई, जिसका कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। गज़ा या लेबनान में युद्धविराम की जरूरत है, यह कहने का क्या अर्थ है, जब युद्धविराम लागू करने की किसी ठोस रूप-रेखा पर रजामंदी नहीं उभरी। उसी तरह परमाणु हथियार मुक्त दुनिया की इच्छा का कोई मतलब नहीं है, जिस समय अमेरिका ने नाटो के सदस्य देशों में बनी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की इजाजत यूक्रेन को दे दी हो और इसकी आशंका के मद्देनजर रूस पहले ही अपनी तरफ से परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल ना करने की वचनबद्धता से औपचारिक रूप से हट चुका हो। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने विभाजित हो रहे विश्व बाजार, आर्थिक मुद्दों को सियासी रंग देने, संरक्षणवादी कदमों आदि के खिलाफ चेतावनी दी। मगर ये तमाम रुझान आज की ठोस हकीकत हैं, जिनका प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। इस सिलसिले में यह अवश्य याद कर लेना चाहिए कि जी-20 की स्थापना दुनिया में आर्थिक नीतियों पर सहमति बनाने और उन पर अमल में तालमेल के मकसद से किया गया था।

आरंभ में यह मंच आधिकारिक स्तर का था, जिसे बाद में वित्त मंत्री स्तर का बनाया गया। 2007-08 की वैश्विक मंदी के बाद इसके शिखर सम्मेलन के आयोजन की शुरुआत हुई। असल में जी-20 की स्थापना 1990 के दशक में अस्तित्व में आई एक-ध्रुवीय दुनिया का परिणाम थी। इस नए वैश्विक ढांचे के केंद्र में अमेरिका था, जिसके तुरंत बाद की शुरुआती परिधि पर जी-7 के उसके सहयोगी देश थे। परिधि की अगली कतारों में बाकी उभरती एवं नए वैश्विक सप्लाई चेन में संभावित प्रमुख भूमिका वाले देशों को रखा गया। तब यह बात इस मंच के संचालकों की कल्पना से बाहर थी कि दशक भर के अंदर इस वैश्विक ढांचे के सामने नई उभरी आर्थिक ताकतों की जोरदार चुनौती खड़ी हो जाएगी। 2017 आते-आते इस चुनौती को बर्दाश्त करना अमेरिका और उसके साथी देशों के लिए कठिन हो गया। नतीजतन, अमेरिका ने चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी। यह युद्ध धीरे-धीरे तकनीकी एवं भू-आर्थिक टकराव में तब्दील हो चुका है। इस बीच यूक्रेन युद्ध से बनी परिस्थिति में भू-राजनीतिक बंटवारा एक ठोस हकीकत बन चुका है।

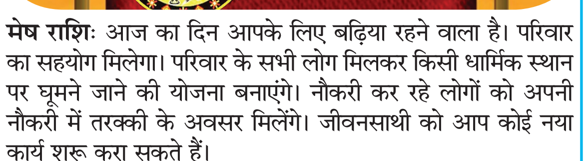

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार का सहयोग मिलेगा। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जाने की योजना बनाएंगे। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी को आप कोई नया कार्य शुरू करा सकते हैं।

वृष राशिः आज का दिन उत्तम रहने वाला है । करीयर को बेहतर बनाने के लिए किये गये प्रयासों से आपको लाभ होगा। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा । शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा ।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने आप को काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय कर रहे लोग नई-नई योजनाओं को लागू करेंगे, जिससे व्यापार को आगे बढ़ा सके । आज आपको अचानक पैसों की आवश्यकता पड़ सकती है।

सिंह राशिः आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते है वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगें। लवमेट आज किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे, एक दूसरे पर विश्वास बढेगा। आज रूका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी ।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे अपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगें और बात भी मानेंगे। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओ को घर के कार्यो से राहत मिलेगी।

तुला राशिः आज का दिन खुशियां लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनातमक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। जो लोग डांस सीखना चाहते है, वह सोशल मिडिया की मदद से सीखेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा बिजनेस में कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन खुशियाँ भरा रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति में मीठी नोक-झोंक होगी, इससे रिश्ते में मजबूती आयेगी। आज किसी अनजान व्यक्ति से दोस्ती करने से बचे, पहले उसके बारे में भली-भांति समझ लें । आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता अपके बिजनेस में आपका सयोग करेंगें।

धनु राशिः आज का दिन आपके जीवन में खुशियाँ लेकर आया है। आज छात्रों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। ऑफिस के कार्यो को करते समय फोक्स बनायें रखें। आपको जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे अपनी समझदारी से बखूबी निभायेंगें । जो लोग प्रॉपर्टी डीलर हैं उनका काम अच्छा चलेगा और रूका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा।

मकर राशिः आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी, इससे आपका विचार सकारात्मक बनेगा। अपने से बड़ों की बातें ग़ौर से सुनें, भविष्य में आपके लिये फायदेमंद रहेगी। युवाओ को बढ़िया नौकरी मिलने की सम्भावना बन रही है ।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। इस राशि के जो लोग नौकरी कर रहे हैं वह दिए गए काम को पूरा करने में सफल होंगे। आज आप दफ्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करेंगे। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को खुशनुमा बनायेगा। कार्यों में परिवार का सहयोग मिलेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। परिवार का सहयोग मिलेगा और यह सीखेंगे की धन को कैसे बचा कर रखा जाता है, जिससे भविष्य में कोई परेशानी ना हो। साथ ही आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। सभी लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे।

शब्द पहेली - 8326

■	1		■	2	3		4	5
6		■	7			■	8	
9		10	■	11			■	
■	12		13	■		■	14	
15	■	16				17	■	
18		■		■	19		20	■
	■	21		22	■	23		24
25	26	■	27			■	28	
29			■		■	30		■

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8325 का हल

■	क	वि	ता	■	क	या	स	■
भ	ला	■	क	■	री	■	ही	न
र	■	म	त	ल	ब	■	■	ह
म	द	द	■	क्ष	■	फि	तू	र
■	■	भ	क्त	■	शी	त	■	■
से	हा	रा	■	यं	■	र	ज	त
ह	■	■	ज	हा	ल	त	■	मी
त	ल	■	मा	■	की	■	आ	ज
■	ब	हा	व	■	र	वा	ना	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एडीलेड में रोहित की वापसी हुई तो किस क्रम पर खेलेंगे राहुल ?

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट अब 6 दिसंबर से एडिलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा वापसी करेंगे। इसी मैच से शुभमन गिल भी टीम में लौट सकते हैं, जो चोट के कारण पहला टेस्ट मैच नहीं खेल सके थे। इस प्रकार भारत को दो बदलाव करने पड़ सकते हैं। पहले टेस्ट में रोहित के नहीं होने से राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करते हुए दोनो ही पारियों में अच्छा प्रदर्शन किया था पर अब वह पारी की शुरुआत नहीं कर पायेंगे। उन्हें किस अगर नहीं तो किस नंबर पर खेलेंगे। ये सवाल अब उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि रोहित और शुभमन को अंतिम ग्यारह में लाने के लिए देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल को बाहर बैठना होगा। ऐसे में राहुल की अंतिम ग्यारह में जगह बनी रहेगी। अब दूसरा सवाल यह है कि केएल राहुल किस नंबर पर खेलेंगे। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि राहुल को या तो पारी की शुरुआत में भेजना होगा या

फिर नंबर-3 पर उतारना होगा। साथ ही कहा कि पहले से ही फार्म में चल रहे बल्लेबाज की जगह बदलनी नहीं चाहिये। इसके लिए भले ही रोहित अपने बल्लेबाजी क्रम बदल दें। वहीं अगर रोहित ही पारी शुरु करते हैं तो राहुल को तीसरे नंबर पर ही बल्लेबाजी करानी चाहिए। ऐस में शुभमन को निचले क्रम प भेजा जा सकता है।मांजरेकर के अनुसार राहुल अभी लय में हैं और वह किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। उन्हें पांचवे नंबर पर भी उतारा जा सकता है। या भारतीय टीम के पास एक अच्छा बल्लेबाज है जिसका उसे लाभ उठाना चाहिये

आईसीसी ने पृथ्वी को एक समय बताया था अगला तेंदुलकर पर अब करियर खतरे में पड़ा

मुम्बई। अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान पृथ्वी शॉ को एक समय भारतीय क्रिकेट का भविष्य बताया जा रहा था। पृथ्वी ने अपने टेस्ट पदार्पण में ही शतक लगा इस उम्मीद को और बल दिया था पर कुछ समय बाद ही हालात बदलने लगे और पृथ्वी की बल्लेबाजी फिकी पड़ने लगी वह सभी जगहों पर विफल होने लगे। इस बार तो आईपीएल नीलामी में उनपर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगायी जिससे साफ है कि वह अब तेजी से अपने करियर में नीचे जा रहे हैं। एक समय आईसीसी ने उन्हें अगला सचिन तेंदुलकर बताया था पर अब उनका करियर आज खराब होता दिख रहा है। यहां तक कि उन्हें अनफिट बताकर पृथ्वी को मुंबई रणजी टीम से भी बाहर कर दिया गया है। आईपीएल की मेगा नीलामी में दो बार उनका नाम आया और 75 लाख रुपये

के आधार मूल्य के बावजूद उनके लिए एक भी बोली नहीं लगी. एक टेबल पर सौरव गांगुली थे, दूसरी पर राहुल द्रविड़. आशीष नेहरा, पार्थिव पटेल, जस्टिन लैंगर, रिकी पोंटिंग, स्टीफन फ्लेमिंग और डेनियल विटोरी भी बोली लगाने के लिए सलाह दे रहे थे लेकिन पृथ्वी में किसी की भी दिलचस्पी नहीं थी. ठीक इसी प्रकार भारतीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली ने एक साथ नाम कमाया था। घरेलू क्रिकेट में रिकार्ड रन बनाकर दोनों ने टीम इंडिया में जगह बनायी थी। सचिन ने अनुशासन और क्रिकेट के प्रति समर्पण के बल पर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया जबकि कांबली खेल के अलावा बाकी चीजों पर ज्यादा ध्यान देने के कारण टीम से बाहर हो गये। वहीं पृथ्वी भी पिछले दिन विवादों में रहे थे और अगर वह अब भी नहीं संभले तो उनका भी यहीं हाल हो सकता है।

पंजाब में फुटबॉल को बढ़वा देने मिनर्वा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरु

चंडीगढ़। अब पंजाब से भारतीय फुटबॉल को प्रतिभाएं मिलेंगी। अब शेरगिल सॉकर अकादमी के सहयोग से पंजाब के फगवाड़ा में मिनर्वा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरु हुई है। मिनर्वा एकेडमी में मिलने वाली अत्याधुनिक सुविधा से जमीनी स्तर पर फुटबॉल का विकास होगाहै। मिनर्वा एकेडमी में प्रतिभाओं को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, एक्सपर्ट कोचिंग स्टाफ और उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जाएंगे जिससे फुटबॉल की एक नई पीढ़ी निकलेगी। अकादमी के प्रमुख रंजीत बजाज ने कहा,"मिनर्वा एकेडमी एफसी जमीनी स्तर से युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उत्कृष्टता केंद्र पंजाब के युवाओं को शीर्ष-गुणवत्ता वाली कोचिंग और सुविधाओं तक पहुँच प्रदान करके सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि उनके पास राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उपकरण हों। इससे पंजाब का फुटबॉल आगे आएगा और कुल मिलाकर देखा जाये तो भारतीय फुटबॉल को सहायता मिलेगी।" वहीं अकादमी से जुड़े ऋषभ नागपाल ने कहा,"यह पहल दोआबा क्षेत्र की फुटबॉल विरासत को फिर से जीवंत करने के बारे में है।

मिनर्वा की विशेषज्ञता और शेरगिल सॉकर अकादमी की जमीनी स्तर पर पहुंच के साथ हमारा लक्ष्य महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के लिए अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक विश्व स्तरीय मंच प्रदान करना है। मिनर्वा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक व्यापक प्रशिक्षण ढांचा प्रदान करता है जो तकनीकी, सामरिक, शारीरिक और मानसिक विकास पर जोर देता है। मिनर्वा अकादमी एफसी, अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को तैयार करने के अपने सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, खिलाड़ियों को उच्च-स्तरीय प्रतियोगिता और पेशेवर कोचिंग के नियमित प्रदर्शन से लाभान्वित करता है। रंजीत बजाज और मिनर्वा एफसी के नेतृत्व में यह पहल आशा और उत्कृष्टता की किरण के रूप में खड़ी है, जिससे पंजाब में फुटबॉल को बढ़ावा मिलेगा।

वेंकटेश को महंगे दामों पर खरीदने के फैसले का ब्रावो ने बचाव किया

जेद्दा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने बड़ी नीलामी के जरिये वेंकटेश अय्यर को मोटी कीमत पर टीम से जोडने के फैसले का बचाव किया है। ब्रावो ने कहा कि हमारा लक्ष्य खिताब जीतने वाली टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखना था जिसमें हम सफल रहे। ये भी माना जा रहा है कि वेंकटेश को कप्तानी भी दी जा सकती है। वहीं आलोचकों को कहना है कि अगर उन्हें नेतृत्व दिया जाना टीम प्रबंधन की योजना का हिस्सा था तो उन्हें रिटेन किया जाना था पर ऐसा नहीं किया गया। वहीं ब्रावो ने कहा, ' वेंकटेश जोड़ना हमारे लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक था, जैसा कि आप देख सकते हैं हमने उसके लिए पूरा जोर लगा दिया। उन्होंने कहा, 'यह अच्छा है हमारे पास चैंपियनशिप जीतने वाली

टीम के 90 प्रतिशत खिलाड़ी हैं। यह अपने आप में सकारात्मक संकेत है। जब आप शुरू से टीम तैयार करते हैं तो यह अहम है कि आप अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखें क्योंकि संयोजन तैयार करना आसान नहीं होता है। वेंकटेश को केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा। वह दो दिवसीय आईपीएल नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने। ब्रावो तेज गेंदबाज उमरान मलिक के केकेआर से जुड़ने को लेकर भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'वह जिस गति से गेंदबाजी करता हैं, मैं हमेशा उसकी सराहना करता रहा हूं।

आईपीएल में इस बार सबसे अधिक विदेशी खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के होंगे

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में सबसे अधिक रकम तीन भारतीय खिलाड़ियों को मिली है और सबसे अधिक बोली भी भारतीय खिलाड़ियों पर लगी। नीलामी में कुल 182 खिलाड़ियों पर बोली लगी, इनमें 120 खिलाड़ी भारत के हैं। वहीं बाकी 62 खिलाड़ी विदेशी हैं। विदेशी खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा बोली दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों पर लगी। आईपीएल की तमाम फ्रेंचाइजी ने दक्षिण अफ्रीका के 14 खिलाड़ियों को खरीदा जबकि ऑस्ट्रेलिया के 13 और इंग्लैंड के 12 खिलाड़ियों पर बोली लगी। इसके अलावा न्यूजीलैंड के 7 जबकि अफगानिस्तान और श्रीलंका के 6-6 खिलाड़ियों पर दांव लगा। वहीं हैरान की बात है कि वेस्टइंडीज के 4 खिलाड़ियों पर ही इस बार बोली लगी जबकि पहले इंडीज खिलाड़ियों को काफी अवसर मिलते थे। नीलामी में खिलाड़ियों की संख्या के हिसाब से भले ही दक्षिण अफ्रीका आगे निकल गया हो पर जहां तक पैसों की बात वह ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाड़ियों से पीछे है। दक्षिण अफ्रीका के 14 खिलाड़ियों पर कुल मिलाकर 47.5 करोड़ की बोली लगी जबकि इंग्लैंड के 12 खिलाड़ी ही 70.25 करोड़ रुपए में बिक गये। वहीं ऑस्ट्रेलिया के 13 खिलाड़ियों पर ही कुल 66.7 करोड़ रुपए की बोली लगी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के तीन-तीन खिलाड़ियों पर 10 करोड़ से ज्यादा की बोलियां लगीं। इंग्लैंड के जॉस बटलर ऑक्शन में सबसे महंगे बिकने वाले विदेशी खिलाड़ी रहे। गुजरात टाइटंस ने जॉस बटलर पर 15.75 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी जबकि दक्षिण अफ्रीका के केवल एक खिलाड़ी कैगिसो रबाडा पर ही 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की बोली लगी।

व्यापार

शुरुआती कमजोरी के बाद शेयर बाजार में रिकवरी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवरी करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई थी। शुरुआती कारोबार में ही बिकवाली का दबाव बनने की वजह से शेयर बाजार के दोनों सूचकांक लाल निशान में गिर गए, लेकिन सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारी शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार ने निचले स्तर से रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अडाणी एंटरप्राइजेज , एचडीएफसी बैंक, अडाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक और

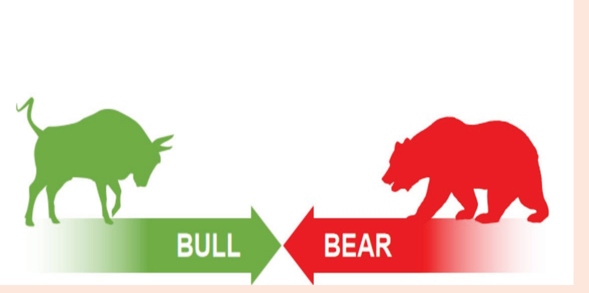

वोडाफोन आइडिया के शेयर 4.42 प्रतिशत से लेकर 1.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर आयशर मोटर्स, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, महिंद्र एंड महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 1.55 प्रतिशत से लेकर 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,350 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,902 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 448 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर, 12 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 47.56 अंक की मामूली मजबूती के साथ 80,281.64 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के साथ ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिर कर 80,144.85 अंक तक पहुंच गया। हालांकि सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों ने जोर लगाया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 162.05 अंक की मजबूती के साथ 80,396.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 0.75 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 24,274.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक गिर कर 24,254.35 अंक तक आ गया, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इसने रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 46.55 अंक की बढ़त के साथ 24,321.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 230.02 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80,234.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 80.40 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,274.90 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। लगातार दो दिनों की बड़ी गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में तेजी का रुख है। देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत में 250 रुपये से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,660 रुपये से लेकर 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये से लेकर 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 89,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में

भी 24 कैरेट सोना 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी तेजी आने के कारण आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

गौतम अडानी : सितारे कहते हैं- उतार-चढ़ाव का सिलसिला चलता रहेगा

वर्षफल में 5 अक्टूबर 2024 से जो बदलाव आया है, उसके कारण नुकसान की आशंका है

मुंबई। चर्चित कारोबारी गौतम अडानी की है की प्रचलित कुंडली कहती है कि जब-जब बारहवें भाव में बैठा राहु उनके लिए अच्छा फल देगा, तब-तब विश्व में उनकी कामयाबी का परचम लहराएगा। लेकिन उनके खिलाफ विदेश में रहस्यमयी गतिविधियां चलती रहेंगी, लिहाजा समय-समय पर किस्मत के झटके भी लगते रहेंगे। क्योंकि सिंह लग्न के व्यक्ति अपने दम पर आगे बढ़ते हैं, इसलिए बड़े-बड़े लोग गौतम अडानी के लिए काम करेंगे, अलबत्ता जब भी कोई बड़ा नुकसान होगा, विदेश से होगा, सातवें भाव में गुरु-चंद्र की मौजूदगी साझैदारी में बड़ी कामयाबी की कहानी लिखेगी। परन्तु बारहवें घर में कर्क का राहु अक्सर कारोबार पर ग्रहण भी लगाएगा। वर्षफल में

5 अक्टूबर 2024 से जो बदलाव आया है, उसके कारण नुकसान की आशंका है, 13 फरवरी 2025 तक आर्थिक झटके लगते रहेंगे। हालांकि कुछ समय के लिए राहत मिलेगी लेकिन 15 अप्रैल 2025 तक का समय कारोबारी परेशानी हो सकती है। इसके बाद सितारें सुधरने लगेंगे लेकिन बड़ी राहत 24 जून 2025 के बाद मिलेगी। वर्ष 2025 के नजरिए से देखें तो 2025 का उत्तरार्ध, पूर्वार्ध से बेहतर रहेगा!

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी का लुत्फ लेने बढ़ रही पर्यटकों की संख्या

सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम जैसी ऊंची इलाकों में आ रहे पर्यटक

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में अब पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण है - बर्फबारी का मौसम। जम्मू-कश्मीर में दिन-प्रतिदिन बर्फबारी हो रही है, जिसके चलते सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम जैसी ऊंची इलाकों में पर्यटकों की भीड़ बढ़ रही है। हालांकि, मैदानी इलाकों में अभी तक बर्फबारी का कोई संकेत नहीं है। इसलिए, जो पर्यटक इस समय कश्मीर में बर्फबारी का आनंद लेना चाहते हैं, उन्हें ऊंची इलाकों की ओर मुड़ना होगा। डल झील की सुंदरता तक पहुंचने के लिए भी पर्यटकों की उत्सुकता बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त, पूरी घाटी के पर्यटक मैदानी इलाकों में बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं, जो शीघ्र होने की उम्मीद है। जो लोग बर्फबारी के रोमांच से भरी यात्रा पर निकलना चाहते हैं, उन्हें कश्मीर की अद्वितीय सुंदरता का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की फिराक में कनाडा

अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ वार्ता एक नई मोड़ की और दिशा देगी

टोरंटो। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कनाडा को धमकी दी है कि अगर कनाडा कमर्शियल उत्पादों पर टैरिफ कम नहीं करता, तो उसे भी टैरिफ लगाएगा। इसके जवाब में, कनाडा ने संभावित जवाबी टैरिफ की योजना करने की घोषणा की है। एक कनाडाई अधिकारी ने दावा किया कि अगर ट्रंप अपनी धमकी का अमल करते हैं, तो कनाडा अमेरिका से आने वाली कुछ वस्तुओं पर टैरिफ लगा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी में कहा कि अगर कनाडा और मेक्सिको नशे और प्रवासियों की अवैध तस्करी को नहीं रोकते, तो उन्हें भी उनके उत्पादों पर टैरिफ लगाना पड़ेगा। हालांकि, ट्रंप ने बाद में मीडिया सोशल पर आधिकारिक बातचीत के बाद मेक्सिकन राष्ट्रपति के साथ अवैध प्रवास को रोकने के लिए सहमति व्यक्त की। कनाडा में

एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि उनका देश हर संभावित स्थिति के लिए तैयार है और उन्होंने बताया कि कनाडा कौन-कौन से उत्पादों पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन उन्होंने अपने नाम न बताकर इस बात की पुष्टि की। यह सम्भावना है कि इस कार्रवाही से ट्रंप की टैरिफ लगाने की योजनाओं पर असर पड़ेगा। यह विवाद एक कार्यात्मक कदम हो सकता है जिस पर सभी देशों के बीच अनुबंध है। पिछले वर्ष, ट्रंप ने कई उत्पादों पर उच्च टैरिफ लगाए थे, जिसका प्रतिशोध अन्य देशों ने अपने टैरिफ कम करके दिया था। सारांश में अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ वार्ता एक नयी मोड़ की और दिशा देने वाली है, इसका असर ग्लोबल व्यापार पर पड़ेगा।

बॉक्स ऑफिस भूल भुलैया 3 ने 24वें दिन सिंघम अगेन को दी मात

कमाई में आगे चल रही कार्तिक की फिल्म

साल की दो सबसे बड़ी बॉलीवुड रिलीज़ 'भूल भुलैया 3 और 'सिंघम अगेन का दिवाली वीकेंड के दौरान 1 नवंबर को क्लैश हुआ था. दोनों फिल्मों का रिलीज से पहले ही काफी बज था इनकी ओपनिंग भी धमाकेदार हुई थी. शुरुआत में अजय देवगन की फिल्म कमाई के मामले में आगे चल रही थी हालांकि 24 दिनों के बाद, कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3 ने अजय देवगन की 'सिंघम अगेन पर बढ़त बना ली है. कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 3 को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है. ये फिल्म रिलीज के चौथे हफ्ते में भी धमाल मचा रही है और कई नई रिलीज फिल्मों से ज्यादा कमाई कर रही है. 'भूल भुलैया 3 के अब तक के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले हफ्ते में 158.25 करोड़ की कमाई की थी. वहीं दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 58 करोड़ रुपये रहा. तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 23.35 करोड़ रुपये कमाए. वहीं चौथे फ्राइडे 'भूल भुलैया 3 ने 1.4 करोड़ रुपये और चौथे शनिवार 2.7 करोड़ की कमाई की. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक चौथे संडे 'भूल भुलैया 3 ने 3.40 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'भूल भुलैया 3 की 24 दिनों की कुल कमाई अब 247.10 करोड़ रुपये हो गई है. मेगा स्टारकास्ट वाली 'सिंघम अगेन का भी रिलीज से पहले काफी बज बना हुआ था. रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की इस फिल्म में अजय देवगन, करीना कपूर, टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकण और अर्जुन कपूर ने अहम रोल प्ले किया है जबकि सलमान खान ने चुलबुल पांडे के किरदार में कैमियो किया है. फिल्म की ओपनिंग जबरदस्त रही थी लेकिन फिर ये पहले हफ्ते में ही ठंडी पड़ गई. 350 करोड़ के बजट की ये फिल्म कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 के आगे टिक नहीं पाई. 'सिंघम अगेन की कमाई की बात करें तो फिल्म ने पहले हफ्ते में 173 करोड़, दूसरे हफ्ते में 47.5 करोड़ और तीसरे हफ्ते में 15.65 करोड़ का कलेक्शन किया है. वहीं चौथे फ्राइडे फिल्म ने 80 लाख और चौथे शनिवार 1.5 करोड़ की कमाई की. जबकि सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'सिंघम अगेन ने रिलीज के 24वें दिन यानी चौथे संडे को 1.90 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'सिंघम अगेन की 24 दिनों की कुल कमाई अब 240.35 करोड़ रुपये हो गई है. बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग पोर्टल सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, भूल भुलैया 3 ने भारत में 247.10 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है, जबकि 'सिंघम अगेन ने भारत में 240.35 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है. इन दोनों फिल्मों के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो कार्तिक आर्यन की फिल्म ने 370 करोड़ रुपये और अजय देवगन की फिल्म ने दुनियाभर में 360 करोड़ रुपये की कमाई की है.

ना सिंगल ना रिलेशन में हैं मलाइका अरोड़ा, खुलासा कर खुद बताया क्या है स्टेटस

फिल्म इंडस्ट्री की ग्लैमरस कलाकार मलाइका अरोड़ा का अभिनेता अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हो चुका है। ऐसे में उनके फैंस यह जानने के लिए बेकरार हैं कि उनका वर्तमान में स्टेटस क्या है। एक पोस्ट शेयर कर 'छैया छैया गर्ल ने खुलासा कर बताया है कि अभी उनका रिलेशनशिप स्टेटस कैसा है। मलाइका अरोड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया, जिस पर लिखा है, "अभी मेरा रिलेशनशिप स्टेटस, इस लाइन के नीचे तीन ऑप्शन भी हैं, जिनमें पहला रिलेशनशिप में, दूसरा सिंगल और तीसरे पर हेहेहे लिखा है। मजेदार बात है कि अरोड़ा ने अपने स्टेटस के लिए 'हेहेहे पर टिक किया। यह पोस्ट मलाइका और उनके पूर्व प्रेमी अर्जुन कपूर के अलग होने के फैसले के बाद आया है। अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा ने साल 2018 में डेटिंग शुरू की

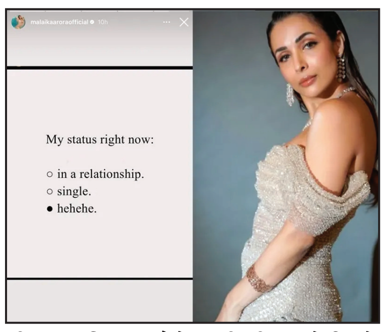

थी। हालांकि, उन्होंने कभी भी अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात नहीं की। सोशल मीडिया पर यह जोड़ा अक्सर अपने खूबसूरत पलों की तस्वीरें और पोस्ट शेयर करता नजर आता था। रोमांटिक हो या फनी दोनों के एक-दूजे के साथ में कई तस्वीरें हैं। मलाइका और अर्जुन कई इवेंट और पार्टियों में भी साथ नजर आते थे। इस बीच बता दें कि अभी हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने खुलासा कर बताया था कि वह अपने कुछ खास काम करने जा रही हैं, जो कि उनके दिवंगत पिता अनिल कुलदीप मेहता को समर्पित होगी। मलाइका के पिता का इसी साल सितंबर में निधन हो गया था। इस बीच मलाइका अरोड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो छैया छैया गर्ल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं और यात्रा के साथ कई ब्रांड्स के लिए शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा, वह एक डांस रियलिटी शो में जज की भूमिका में भी नजर आएंगी। इसके साथ ही 'मुन्नी बदनाम हुई फेम मलाइका स्टार्टअप-बेस्ड सीरीज में एक बिजनेस इन्वेस्टर के रूप में भी दिखाई देंगी।

यूएसए प्रीमियर के लिए सबसे तेज 50 हजार से ज्यादा टिकटें बचने वाली फिल्म बनीं पुष्पा 2 द रूल

साउथ फिल्म की सुपरहिट जोड़ी अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2 द रूल बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत के लिए तैयार है. यूएसए में फिल्म के प्रीमियर के लिए धड़ाधड़ टिकटें बिक रही हैं. मेकर्स ने यूएसए प्रीमियर के लिए फिल्म के एडवांस बुकिंग का अपडेट साझा किया है. मेकर्स के मुताबिक, पुष्पा 2 द रूल ने एक बार फिर एडवांस बुकिंग के मामले में एक नई उपलब्धि हासिल की है. मेकर्स ने पुष्पा 2 द रूल को उत्तर भारत में 4500 से ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज करने का लक्ष्य रखा है. जबकि वैश्विक स्तर पर इसका 10,000 स्क्रीन पर रिलीज करने का लक्ष्य है. मेकर्स ने पुष्टि की है कि फिल्म को आईमैक्स और 3डी में रिलीज किया जाएगा. बता दें कि भारत में फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स के रिएक्शन से पता चलता है कि लोग फिल्म का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं और इस इंतजार का फल तुफानी भरा होगा. यह शुरुआती भीड़ केजीएफ2 की रिलीज के बराबर हो सकती है. उधर पुष्पा 2 द रूल की विदेशों में बुकिंग पहले से ही अच्छी चल रही है. सोमवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए यूएसए प्रीमियर के लिए फिल्म की एडवांस बुकिंग के बारे में अपडेट साझा किया है. मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अल्लू अर्जुन का पोस्टर पोस्ट किया है. पोस्टर में लिखा है, यूएसए प्रीमियर्स के लिए सबसे तेज 500 से ज्यादा टिकट सोल्ड होने वाली पुष्पा 2. वहीं पोस्ट के कैप्शन में जानकारी देते हुए मेकर्स ने लिखा है, पुष्पा सिर्फ इतिहास में नहीं चल रही हैं, बल्कि वे हर जगह अपना नियम थोप रही हैं. यूएसए प्रीमियर के लिए सबसे तेज 50 हजार से ज्यादा टिकटें बिकीं. इससे पहले फिल्म ने एक और खिताब अपने नाम किया था. पुष्पा 2 द रूल ने रिकॉर्ड तोड़ 750 हजार से ज्यादा यूएसए प्रीमियर प्री सेल्स और 27 हजार से ज्यादा टिकटे बेची थी. वहीं, अब 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा प्री-सेल करने वाली सबसे तेज भारतीय फिल्म बनकर उभरी है. सुकुमार की निर्देशित फिल्म पुष्पा 2 द रूल 5 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. 17 नवंबर को मेकर्स ने फिल्म का धांसू ट्रेलर जारी किया था. ट्रेलर ने फैंस के एक्साइटमेंट लेवल को हाई कर दिया है. वह फिल्म की रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अहम रोल में हैं.

इंटरनेट पर छाया पलक तिवारी का हॉट बॉसी लुक, किलर अंदाज से सोशल मीडिया पर बरपाया कहर

पलक तिवारी हमेशा अपनी हॉट अदाओं से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्डनेस भरा अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस पलक तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बना ली है। अब हाल ही में एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना हुस्न देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। इन फोटोज में आप देख

सकते हैं पलक तिवारी ने व्हाइट कलर का कोर्ड-सेट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं। हाई हील्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। पलक तिवारी की इन फोटोज को अपलोड हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख 48 हजार से भी ज्यादा यूजर्स ने तस्वीरों पर लाइक कर दिया है।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक का हाल-बेहाल, तीन दिन बाद भी 2 करोड़ नहीं कमा पाई

अभिनेता अभिषेक बच्चन पिछले लंबे समय से फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी यह बीते शुक्रवार यानी 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।ज्यादातर समीक्षकों ने फिल्म की तारीफ की और इसमें अभिषेक की अदाकारी की भी जमकर प्रशंसा हो रही है।इसके बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।आइए जानते हैं तीसरे दिन आई वॉन्ट टू टॉक की कितनी कमाई हुई। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, आई वॉन्ट टू टॉक ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 50 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1.30 करोड़ रुपये हो गया है।पहले दिन 25 लाख रुपये के साथ फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था। दूसरे दिन इसने 52 लाख रुपये कमाए।इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन टिकट खिड़की पर फिल्म का बंटाधार हो चुका है। आई वॉन्ट टू टॉक एनआरआई अर्जुन सेन

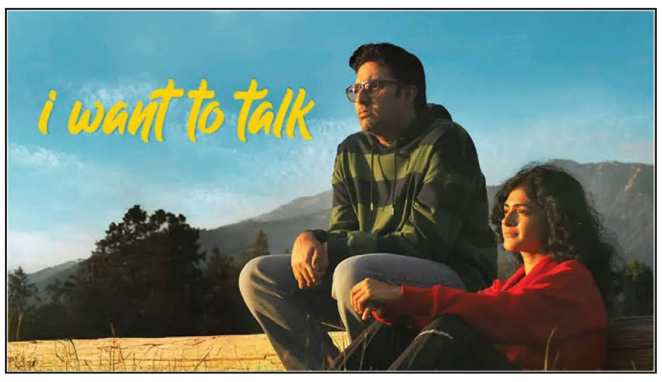

की कहानी दिखाती है, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा है, लेकिन वो अपनी बीमारी से तंग आकर हार नहीं मानता, बल्कि कैंसर से लड़ने के लिए हर मुमकिन कोशिश करता है।अभिषेक के साथ अभिनेत्री अहिल्या बामरू भी फिल्म में अहम भूमिका अदा करती नजर आई हैं।इस फिल्म के निर्देशक शूजीत सरकार हैं, जिन्हें अक्?टूबर और सरदार उधम जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

Ajmer Dargah claims to have a Shiva temple, court accepts petition and sends notice to all parties

Ajmer: The lower court has accepted the petition declaring the Dargah of Khwaja Moinuddin Chishti in Ajmer, Rajasthan as a Hindu temple. The court has issued notice to all the parties and fixed the date of next hearing on 20 December 2024. Vishnu Gupta of Hindu Sena, a resident of the national capital Delhi, had filed a petition in the lower court that the Dargah of Khwaja Moinuddin Chishti located in Ajmer is a Hindu place of worship. The court of Ajmer West Civil Judge Senior Division Manmohan Chandel heard this petition. During this, the judge took cognizance of the case of plaintiff Vishnu Gupta and ordered to issue notice to the Dargah Committee, Minority Affairs and Archaeological Survey of India Heritage (ASI). Let us tell you that the case was also heard yesterday i.e. on Tuesday. Today also the hearing took place in the court and the court, accepting the case, has decided to issue orders to issue notice to the Dargah Committee, Minority Affairs and Archaeological Survey of India Heritage. According to the media report, a suit was filed on behalf of Vishnu Gupta citing the book written by Hardayal Sharda. In which, he has claimed that there is a Shiva temple in the Dargah of Khwaja Moinuddin Chishti located in Ajmer. The court will hear this case on the 20th. Let us tell you that Hindu organizations have been calling Ajmer Dargah a temple for a long time. In 2022, Hindu organization Maharana Pratap Sena wrote a letter to former Rajasthan CM Ashok Gehlot and the central government claiming

the Dargah to be a temple and demanded an investigation into it. It is known that recently a petition was heard in Sambhal, Uttar Pradesh, calling Shahi Jama Masjid a Harihar temple. The court had ordered a survey of the mosque. The first survey was conducted on November 19 at night. On November 24, the survey team reached for the survey of the mosque for the second time. A large number of people protested against the survey. Violence broke out during this time. The police had pelted stones and fired tear gas shells to disperse the crowd. However, five youths were killed and many were injured during the riot. The police have arrested many miscreants and sent them to jail. Life in Sambhal has now started returning to normal. Schools have opened and many shops selling essential goods have also opened, although internet services are still suspended in the district. The administration has tightened security in sensitive areas after the violence.

NIA takes major action in human trafficking case, raids 22 locations in 6 states

New Delhi: The National Investigation Agency (NIA) is conducting raids at 22 places in 6 states in the human trafficking case. The NIA has carried out this major action on suspicion of foreign involvement. According to the information, this raid is going on in 6 states and it has international links with many countries. The National Investigation Agency had registered the case in 2024. The National Investigating Agency has taken this major action in the cyber fraud case. Through cyber fraud, the youth of Bihar's Gopalganj were lured in the name of giving jobs abroad, then when they went abroad, they were held hostage in a fake call center and forced to do cyber fraud. There is a possibility of this racket being connected to Myanmar Laos. Earlier, on October 5, the NIA conducted simultaneous raids at 22 locations in 5 states on suspicion of terrorist conspiracy and terror funding. The raids were conducted by the NIA in Maharashtra, Jammu and Kashmir, Uttar Pradesh, Assam and Delhi. This action was taken in connection with cases related to the terrorist organization Jaish-e-Mohammed. The NIA also conducted raids in Baramulla and other areas in Jammu and Kashmir. The NIA searched the house of Maulvi Iqbal Bhat in Baramulla with the help of security forces. Raids were conducted in several districts of West Bengal on October 1. On October 1, the NIA team raided 11 places in South 24 Parganas, Asansol, Howrah, Nadia and Kolkata.

Another case like Shraddha murder case: 'Live-in partner' murdered and body cut into 50 pieces

Ranchi: A shocking case of murder has come to light from Jharkhand's Khunti district. Here a young man working as a butcher killed his 'live-in partner' and threw her body after cutting it into 40 to 50 pieces. The murder was revealed when the police found human body parts near a stray dog. The police gave information about this entire murder on Wednesday. The accused has been arrested. This incident of murder has shocked the people. According to the police, 25-year-old Naresh Bhengra of Khunti district was living in a 'live-in relationship' with a 24-year-old girl of his own city in Tamil Nadu for some time. However, some time ago he came home and married another woman without informing anyone. After this, he went back to Tamil Nadu without his wife. Some time later, the young man and woman returned to Khunti but the accused Naresh did not want to take the girl to his house. At the same time, on November 8, he committed this heinous murder. According to the police, the woman did not know that the accused Naresh had got married. Naresh and the woman first reached Ranchi and then left for Naresh's village. Police said- As per the plan, Naresh took the woman to Khunti in an autorickshaw near his house and asked her to wait. He returned with a sharp weapon and after raping

her, strangled her with her dupatta and killed her. After this, he cut the body into 40 to 50 pieces and went home to live with his wife. According to the police, the accused worked in a butcher shop in Tamil Nadu state and was an expert in cutting chicken. The accused has confessed his crime after being caught. After cutting the body parts of the girl into 40 to 50 pieces, he left them in the forest for wild animals to eat. The police have also recovered a bag in the forest in which the girl's Aadhar card and other items were found. The girl's mother was called to the spot and she identified her daughter's belongings.

Don't make Sambhal a Kashmir- Ravi Kishan

New Delhi: Lok Sabha MP and Bhojpuri actor Ravi Kishan has given a statement in New Delhi on the incident that took place in Sambhal, Uttar Pradesh. While talking to the media, Ravi Kishan said that the Sambhal incident was planned. The leaders of the local Muslim community should be held accountable. An investigation agency was going there on the orders of the court. A crowd of thousands of people gathered in the locality.

Who provided them with so many bricks, guns, swords, who planned the attack, since when was the conspiracy being hatched, this is a matter of investigation. He further said that I want to tell the people of the Muslim community that you stay behind, you should not bring your children's community forward. This has been happening in Kashmir. You people please do not make Sambhal turn into Kashmir. This is not good in democracy. The BJP leader further said that there was an attack by the Muslim community in Sambhal. Their children were there. The police were standing in front, they were also someone's children, they are also parents. Action will be taken on the facts.

Police do not file FIR like this, they will file FIR only when they have evidence. This is a very serious and sensitive matter. Let us tell you that violence broke out during the survey of Shahi Jama Masjid in Sambhal district of Uttar Pradesh. During this, news of the death of five people came to light.

After the violence, the police is searching for stone pelters and rioters. More than 24 people have been arrested and sent to jail. Pictures of people involved in the riot are going viral on social media. The administration has already said that their posters will be put up. It is known that after the violence during the survey of the mosque in Sambhal, life has started becoming normal on Wednesday. Schools have opened and many shops selling essential goods have also opened, although internet services are still suspended in the district. The administration has tightened security in sensitive areas after the violence. Police have deployed forces at the main intersections and Rapid Action Force has also been deployed.

Severe cold in Rajasthan, temperature below 10 degrees in many districts

New Delhi: Cold is increasing continuously in North India. Mercury is continuously falling in many states including Rajasthan. Temperature has gone below 10 degrees in many districts of Rajasthan. Meanwhile, the Meteorological Department has issued an alert regarding fog in the state. Mercury has fallen to 3.1 degrees in Ajmer, Rajasthan and 3.4 degrees in Barmer. While on one hand it is getting cold in North India, on the other hand, an alert of heavy rain has been issued in some states of South India. In fact, the deep pressure formed in the South-West Bay of Bengal can turn into cyclone Fangal in a few hours. This cyclone can move in the North-West direction and reach the coast of Tamil Nadu by 30th November. Severe cold has knocked in Rajasthan. In many districts of the state, the minimum temperature has fallen below 10 degrees Celsius in the past few days. Fog was seen at some places. The Meteorological Department said that almost the same situation will be seen in the coming days. In the beginning of December, the mercury will fall further in Rajasthan, due to which there will be a feeling of extreme cold. The mercury is continuously falling in the hill station Mount Abu. The temperature here has reached 6.8 degrees. At the same time, the minimum temperature in many districts including Ajmer is 10.2, Jaipur 14.4, Sikar 11.5, Kota 13.4, Bhilwara 10.9, Alwar 11.6, is close to 10 degrees Celsius. Heavy rains have been occurring in the coastal areas of Tamil Nadu and Puducherry since Tuesday. Due to continuous rains, instructions have been given to keep the schools and colleges of Puducherry closed. This information was given by Puducherry Education Minister Arumugam Namsivayam. At the same time, the Meteorological Department has said that the effect of cyclone Fengal can be seen in Tamil Nadu and Puducherry on Thursday as well. Due to which there is a possibility of heavy to very heavy rains in both the places. At the same time, strong winds can also blow in the coastal areas. There is a possibility of heavy rains in Kanchipuram, Chengalpattu, Viluppuram and Cuddalore districts of Tamil Nadu. Flights are being affected due to the changing weather in Tamil Nadu. Many flights arrived late on Wednesday. In this regard, the airline company Indigo has issued an advisory for passengers. The company has predicted delays in flights to Chennai, Tuticorin, Madurai, Tiruchirapalli.

Second Convocation of MGCU to be Held on December 7: Hon'ble Vice President Jagdeep Dhankhar to Grace the Occasion

RAKESH KUMAR

Motihari: The Second Convocation of Mahatma Gandhi Central University (MGCU), Motihari, is scheduled to be held on December 7, 2024. The Hon'ble Vice President of India, Shri Jagdeep Dhankhar, will grace the event as the Chief Guest and deliver the Convocation Address. The event aims to recognize the academic achievements of students and uphold the University's tradition of excellence. Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava said "The second convocation of Mahatma Gandhi Central University is a momentous occasion in the history of the university. We are deeply honored to have the Hon'ble Vice President of India, Shri Jagdeep Dhankhar Ji, as the Chief Guest. This event symbolizes the culmination of our students' hard work and perseverance while also reflecting the university's commitment to academic excellence and nation-building. It is a proud moment for MGCU to celebrate the achievements of our students and reinforce our vision of holistic education under the values inspired by Mahatma Gandhi." To ensure the success of this prestigious event, an Overall Convocation Coordination Committee and several sub-committees have been constituted, with responsibilities assigned for the smooth execution of activities. Prof. Prasoon Dutt Singh, Dean of the School of Humanities and Languages, is serving as the Chairman of the Overall Convocation Committee. Speaking on the occasion, he said, "The convocation marks a significant milestone in the academic journey of our students and the University's growth. With dedicated teamwork and meticulous planning, we are committed to making this event a grand success, celebrating the achievements of our graduates and the University's vision."

The following committees and coordinators have been entrusted with specific responsibilities:

Procession Committee: Coordinator – Prof. Santosh Kumar Tripathi

Dias Management Committee: Coordinator – Prof. Pranveer Singh

Speech Writing Committee: Coordinator – Prof. Rajendra Singh

Green Room Committee: Coordinator – Prof. Shahana Majumdar

Finance Committee: Coordinator – Prof. Vikas Pareek

Hospitality and Accommodation Committee: Coordinator – Prof. Anand Prakash

Souvenir and Invitation Committee: Coordinator – Prof. Sunil Kumar Srivastava

Costume Management Committee: Coordinator – Prof. Sunil Mahawar

Academic Committee: Coordinator – Prof. Devdutt Chaturvedi

Refreshment Committee: Coordinator – Prof. Shirish Mishra

Discipline Committee: Coordinator – Prof. R.K. Choudhary

Assembly Committee: Coordinator – Prof. Ajai Kumar Gupta

Announcement and Guidelines Committee: Coordinator – Prof. Bimlesh Kumar Singh

Media Committee: Coordinator – Dr. Shyam Nandan

First Aid and Disaster Management Committee: Coordinator – Dr. Kailash Chandra Pradhan

Transport Committee: Coordinator – Prof. Brijesh Pandey

Rehearsal Committee: Coordinator – Prof. Arttatrana Pal

Outer Management and Beautification Committee: Coordinator – Prof. Rafique Ul Islam

Parking Management Committee: Coordinator – Dr. Narendra Kumar Arya

The University is leaving no stone unturned to ensure the convocation is a memorable and inspiring event for all attendees, highlighting MGCU's commitment to academic excellence and social responsibility.

Big revelation on Sambhal violence- There was a ruckus on the very first day of the survey; 150 people forcibly entered the mosque

Sambhal,: To comply with the order of Chandausi Civil Judge (Senior Division) Aditya Singh regarding Jama Masjid vs Harihar Mandir, the police and district administration were certainly with the survey team, but doing this work inside the mosque was very challenging because on November 19, as soon as the district administration had taken consent for the survey by informing the head of the mosque and other committee members, only some marked people were to go inside, but this did not happen and unauthorized people also entered inside. Due to excessive crowd, the work of the first day had to be postponed leaving it incomplete. Due to which the time for conducting the survey was fixed again on November 24. According to the information, an official said that on November 19, Advocate Commissioner Ramesh Raghav along with his team had to conduct a survey in the presence of the mosque's head Zafar Ali and the members of the Intezamia Committee. For this, the district administration held talks with both the parties and a certain number of people were allowed to enter. Apart from the DM and SP, all the administrative people were kept outside and the main gate was closed. The problem arose when suddenly some public representatives of the city and their supporters came and got the gate of the mosque opened and entered inside. During this time, the administration and police team also protested against such people entering but their objection was ignored. Not only this, 150 to 200 people entered the mosque one after the other and the team started facing difficulty in doing their survey work. People started raising objections and protests against the survey, raising questions. Due to the large crowd, the work was constantly getting affected and it was also night time. Due to which the Advocate Commissioner and the District Administration postponed the work and decided to do this work the next day, but this work did not happen for four days due to Jumme ki Namaaz and the counting of votes for the by-election. On the first day, when the survey work was going on, all the security personnel were allowed to stay outside the mosque, even the Superintendent of Police's PRO, cameramen and other security guards remained outside. The staff accompanying the DM was also kept outside. The matter of concern arose when the gate of the mosque was closed from inside but 150 to 200 people were entering at a time and there was no one inside for security, in which apart from the DM and SP, the security of the Advocate Commissioner and the two petitioner advocates was in question.

Twist in the Waqf Board land case in Budho Punder village

Jalandhar: The Gram Panchayat has decided to challenge the decision of the Punjab and Haryana High Court in the Waqf Board land case of Budho Punder village in Kapurthala district of Punjab. The Gram Panchayat alleges that they have the right over this land and the claim of the Waqf Board is wrong. Now the Gram Panchayat is preparing to go to the Supreme Court regarding this matter. The case gained momentum when the High Court upheld the claim of the Wakf Board, which said that the land was donated for a mosque, cemetery and takia (land for common use of Muslims), and was later handed over to the Wakf Board in 1971. The court classified the land as a Wakf property and rejected the arguments of the gram panchayat. Gram Panchayat member Resham Singh said that the people of the village have been farming on this land for the last 40-50 years and they have not occupied this land, rather the landlords had got it released from the Wakf Board. Resham Singh also said that the property of the Wakf Board and the mosque belong to the Muslims, but the occupation of the land has been done deliberately by the landlords. On this he said that the Gram Panchayat will now appeal to the Supreme Court regarding this matter. Village Panchayat Sarpanch Kulwant Singh has also expressed disagreement with this decision.